घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 201- शनिवार 23 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

भारत-साइप्रस के बीच होगी रणनीतिक साझेदारी,निवेश भी होगा दोगुना : पीएम मोदी

नई दिल्ली,22 मई 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ दोनों देशों के बीच व्यापक एवं भरोसेमंद साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर शुक्रवार को व्यापक चर्चा की। एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारत और साइप्रस ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद-विरोधी,समुद्री सुरक्षा,राजनयिक प्रशिक्षण, नवाचार, शिक्षा और संस्कृति सहित कई समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि चर्चा में व्यापार और निवेश,रक्षा और सुरक्षा, समुद्री और वित्तीय संपर्क,प्रौद्योगिकी और नवाचार,गतिशीलता,शिक्षा,संस्कृति और भारत-यूरोपीय संघ के संबंधों जैसे विषयों को शामिल किया गया। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। दोनों नेताओं ने सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और साइप्रस के बीच 14 विषयों पर सहमति बनी है। दोनों देश अपने संबंधों को रणनीतिक

साझेदारी में तब्दील करने पर सहमत हुए हैं। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार मजबूत होगा और सुरक्षा के क्षेत्र में भी दोनों देश सहयोग करेंगे। आतंकवाद के खिलाफ दोनों देश संयुक्त कार्य समूह का गठन करेंगे। साइप्रस ने भारत की हिन्द-प्रशांत महासागरीय पहल में शामिल होने का फैसला किया है। भारत अत्याधुनिक स्वदेशी मोबाइल अस्पताल भीष्म क्यूब साइप्रस को उपहार स्वरूप देगा। दोनों देशों ने अगले 5 सालों के लिए रक्षा सहयोग का रोड मैप तैयार किया है। दोनों देशों के बीच राजनयिक प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा एवं शोध,सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं सहयोग,नवाचार एवं तकनीक से जुड़े विषयों पर दोनों देशों के बीच में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देश सर्च एवं रेस्क्यू क्षेत्र में भी सहयोग करेंगे। दोनों देशों के बीच साइबर सुरक्षा और राजनयिक संवाद की भी स्थापना की जाएगी। दोनों देशों ने 18 मई को भारत-साइप्रस स्पेस डे मनाया और इसके अलावा मुंबई में साइप्रस वाणिज्य केंद्र खोला गया है। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त वक्तव्य दिया। इसमें प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और साइप्रस के बीच बढ़ते भरोसे तथा भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से नई संभावनाएं उभरी हैं और दोनों देश अगले पांच वर्षों में साइप्रस से भारत में होने वाले निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदले जाने की भी घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हुआ है,जो दोनों देशों के बीच बढ़े विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से नई आर्थिक संभावनाएं बनी हैं और इन्हीं अवसरों का लाभ उठाते हुए दोनों देश अगले पांच वर्षों में निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और साइप्रस के संबंध समय की कसौटी पर बार-बार खरे उतरे हैं और रणनीतिक साझेदारी बनने से इन संबंधों को नया एम्बिशन और नई स्पीड मिलेगी। दोनों देशों ने संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए माइग्रेशन एवं मोबिलिटी समझौते तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते पर सहमति बनाई है। इसके अलावा उच्च शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भी समझौते किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बाघ के हमले में 4 महिलाओं की मौत

चंद्रपुर,22 मई 2026। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के सिंदेवाही तालुका के गुंजेवाही इलाके में शुक्रवार को तेंदू पत्ता संग्रह के लिए जंगल गई महिलाओं पर बाघ ने हमला कर दिया। इस भीषण हमले में 4 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई,जिससे पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल बन गया है।तेंदू पत्ता सीजन के दौरान जंगल में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर गंभीर हो गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार,गर्मी के मौसम में तेंदू पत्ता तोड़ाई शुरू होने के कारण ग्रामीण बड़ी संख्या में जंगल में जा रहे हैं। आज तड़के गुंजेवाही गांव की कुछ महिलाएं हमेशा की तरह तेंदू पत्ता संग्रह के लिए जंगल गई थीं। सुबह करीब 8 बजे के आसपास जंगल में घात लगाकर बैठे बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया। इस हमले में चारों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई है और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है और वे बाघ को जल्द से जल्द पकड़ने या नियंत्रित करने की मांग कर रहे हैं। बाघ हमले की सूचना मिलते ही सिंदेवाही वन क्षेत्र अधिकारी अंजली सायंकर ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। वन विभाग और पुलिस टीम ने मौके का निरीक्षण कर पंचनामा शुरू कर दिया है। मृत महिलाओं में कवडूबाई दादाजी मोहुर्ले (45), अनुबाई दादाजी मोहुर्ले (46),संगीता संतोष चौधरी (36) और सुनीता कौशिक मोहुर्ले (33) हैं। वन विभाग ने लोगों से जंगल क्षेत्र में सावधानी बरतने की अपील की है और संबंधित इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है।

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई पूरी करने के बाद उतरते समय 2 भारतीय पर्वतारोहियों की मौत

नई दिल्ली,22 मई 2026। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले 2 भारतीय पर्वतारोहियों की नीचे उतरते समय थकान से मौत हो गई। नेपाल अभियान संचालक संघ के महासचिव ऋषि भंडारी ने शुक्रवार को बताया कि दोनों पर्वतारोहियों की पहचान अरुण कुमार तिवारी और संदीप अरे के रूप में हुई है। भंडारी ने बताया कि दोनों पर्वतारोही शिखर से नीचे आते समय बुरी तरह थक गए थे और उनके गाइडों के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद नहीं बचाया जा सका। भंडारी ने बताया कि अरे ने बुधवार और तिवारी ने गुरुवार शाम लगभग 5.30 बजे शिखर पर चढ़ाई की थी। चढ़ाई पूरी करने के बाद दोनों गुरुवार को शेरपा गाइडो के साथ उतर रहे थे,तभी हिलेरी स्टेप के पास बुरी तरह थक गए। शेरपा गाइडों ने उनको रात भर में बाल्कनी क्षेत्र से साउथ कोल तक पहुंचाया और उनकी जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे बच नहीं सके। उनकी मौत का सही समय स्पष्ट नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पर्वतारोहण सत्र में अभियान के दौरान माउंट एवरेस्ट पर 3 नेपाली पर्वतारोहियों समेत 5 लोगों की मौत हो चुकी है। एक ब्रिटिश पर्वतारोही ने शुक्रवार को एवरेस्ट पर अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया और दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर अपनी 20 वीं चढ़ाई पूरी की है।

पश्चिम बंगाल में एक जून से महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा

कोलकाता,22 मई 2026। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य की महिलाओं को बड़ी सौगात देते हुए एक जून-2026 से सभी सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य के परिवहन विभाग की ओर से जारी इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना तथा सार्वजनिक परिवहन तक उनकी पहुंच को अधिक आसान और सुरक्षित बनाना बताया गया है। परिवहन विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी अधिसूचना के अनुसार,राज्य में संचालित सभी सरकारी लघु दूरी और लंबी दूरी की बसों में महिला यात्रियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र महिलाओं को आवेदन करना होगा,जिसके बाद उन्हें क्यूआर कोड, फोटो और लाभार्थी विवरण युक्त स्मार्ट कार्ड जारी किया जाएगा। सरकार ने बताया है कि स्मार्ट कार्ड प्राप्त करने के लिए संबंधित प्रखंड विकास अधिकारी अथवा उपमंडल अधिकारी (एसडीओ) कार्यालय में आवेदन करना होगा।

बंगाल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

17 आईएएस अधिकारियों का तबादला

कोलकाता,22 मई 2026। राज्य में नए भाजपा-शासित पश्चिम बंगाल सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है,इसके तहत एक साथ 17 भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का तबादला किया गया है। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए इस व्यापक बदलाव को राज्य में बड़े स्तर के नौकरशाही पुनर्गठन के रूप में देखा जा रहा है। नबन्ना स्थित राज्य सचिवालय के सूत्रों के अनुसार इन तबादलों का उद्देश्य प्रशासनिक कामकाज में तेजी लाना और जिला स्तर पर प्रशासनिक गतिविधियों को मजबूत करना है। आदेश के मुताबिक,2010 बैच के आईएएस अधिकारी सुजॉय सरकार को बिधाननगर नगर निगम के आयुक्त पद से स्थानांतरित कर वस्त्र एवं रेशम विभाग में आयुक्त तथा राज्य की सार्वजनिक उपक्रम 'टांटुजा' के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। उनकी जगह 2017 बैच के रवि अग्रवाल को बिधाननगर नगर निगम का आयुक्त बनाया गया है, जो पहले पुरुलिया जिले में एडीएम के पद पर कार्यरत थे। इसी तरह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टेटस एडमिनिस्ट्रेशन में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हिंडोल दत्ता को आसनसोल नगर निगम का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है। कोलकाता मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी के मौजूदा सीईओ नितिन सिंघानिया को गृह एवं पहाड़ी मामलों के विभाग में वरिष्ठ विशेष सचिव बनाया गया है। साथ ही उन्हें कई अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी दी गई हैं। 2016 बैच के शेख अंसार अहमद को मालदा से पश्चिम मिदनापुर का एडीएम बनाया गया है। इसी तरह 2013 बैच के रजत नंदा को कैबिनेट सचिवालय और सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों के विभाग में अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। 2016 बैच के धीमन बरई को पूर्व बर्दवान से तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग में विशेष सचिव के रूप में स्थानांतरित किया गया है।

तमिलनाडु मंत्रिमंडल का फिर हुआ विस्तार

वीसीके और आईयूएमएल को मिला प्रतिनिधित्व

चेन्नई,22 मई 2026। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार में शुक्रवार को मंत्रिमंडल का एक और विस्तार किया गया। गठबंधन सहयोगी दलों विदुथलाई चिरुथैगल कच्छि (वीसीके) के नेता वन्नी अरसु और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के शाजहान ने नए मंत्रियों के रूप में शपथ ली। चेन्नई के गिंडी स्थित राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने दोनों नेताओं को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री जोसेफ विजय समेत सरकार और गठबंधन दलों के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। इसके बाद पार्टी ने सहयोगी दलों के समर्थन से सरकार बनाई। सरकार गठन के बाद से ही सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देने की मांग उठ रही थी। इसी क्रम में 10 मई को मुख्यमंत्री जोसेफ विजय सहित 10 मंत्रियों ने शपथ ली थी। इसके बाद 21 मई को मंत्रिपरिषद का विस्तार करते हुए 23 और मंत्रियों को शामिल किया गया। अब वीसीके और आईयूएमएल को भी मंत्रिमंडल में जगह देकर गठबंधन संतुलन साधने की

कोशिश की गई है। तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें हैं,जिसके आधार पर मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 35 मंत्री बनाए जा सकते हैं। कांग्रेस के दो नेताओं को पहले ही मंत्रिमंडल में शामिल किया जा चुका है। अब वीसीके और आईयूएमएल को प्रतिनिधित्व मिलने से गठबंधन सहयोगियों की भागीदारी और मजबूत हुई है। गौरतलब है कि बुधवार को 23 मंत्रियों के विभागों की घोषणा के दौरान अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग किसी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए थे। ऐसे में राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि वन्नी अरसु और शाजहान को ये महत्वपूर्ण विभाग सौंपे जा सकते हैं। दोनों नेताओं के शपथ लेने के बाद अब उनके विभागों को लेकर आधिकारिक घोषणा जल्द किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

राज्यसभा की 24 सीटों पर चुनाव और दो पर उपचुनाव की घोषणा,18 जून को मतदान

नई दिल्ली,22 मई 2026। चुनाव आयोग ने जून-जुलाई में सेवानिवृत्त हो रहे राज्यसभा सदस्यों की 24 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव तथा महाराष्ट्र और तमिल नाडु की दो रिक्त सीटों पर उपचुनाव कराने की घोषणा की है। सभी सीटों के लिए मतदान 18 जून को होगा और उसी दिन नतीजे आयेंगे। चुनाव आयोग के अनुसार 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव होंगे। इन सीटों पर मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल जून और जुलाई में समाप्त हो रहा है। इसके अलावा महाराष्ट्र और तमिलनाडु से राज्यसभा की एक-एक सीट रिक्त होने के कारण उपचुनाव भी कराए जाएंगे। महाराष्ट्र की सीट सुनेत्रा अजित पवार के 6 मई को इस्तीफे और तमिलनाडु की सीट सी. वी. शनमुगम के 7 मई को इस्तीफे के बाद खाली हुई। इन दोनों सीटों का

कार्यकाल क्रमशः 4 जुलाई 2028 और 29 जून 2028 था। आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक चुनाव की अधिसूचना 1 जून को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून तय की गई है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी। उम्मीदवार 11 जून तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 18 जून को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना होगी। चुनाव प्रक्रिया 20 जून तक पूरी कर ली जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक की चार-चार,मध्यप्रदेश, राजस्थान की तीन-तीन,झारखंड की दो तथा मणिपुर,अरुणाचल प्रदेश,मिजोरम, मेघालय की एक-एक सीट के लिए मतदान होगा। राज्यसभा से सेवा निवृत्त होने वाले सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं...

आंध्र प्रदेश से अयोध्या रामी रेड्डी अल्ला,नथवाणी परिमल,पिल्ली सुभाषचंद्र बोस और सना सतीश बाबू। गुजरात से रामभाई हरजीभाई मोकारिया,अमीन नरहरि हीराभाई,गोहिल शक्ति सिंह जी हरिचंद्र सिंह जी और रमिला बेचरभाई बारा। झारखंड से दीपक प्रकाश और शिबू सोरेन। मध्य प्रदेश से दिग्विजय सिंह,जॉर्ज कुरियन और सुमेर सिंह सोलंकी। मणिपुर से महाराजा सनाजाओबा लीशेम्बा। मेघालय से वानवेइरॉय खार्लुखी। राजस्थान से नीरज डांगी, राजेंद्र गेहलोत और रवनीत सिंह। अरुणाचल प्रदेश से नबाम रेबिया। कर्नाटक से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा,नारायण कोरगप्पा और इरन्ना कडाडी। मिजोरम से के. वनलालवेना का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

ट्विशा शर्मा मौत मामले में राज्य सरकार का फैसला...सीबीआई जांच होगी,केंद्र को भेजा प्रस्ताव

भोपाल,22 मई 2026। ट्विशा शर्मा मौत मामले में बहुत बड़ा अपडेट सामने आया है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने अब इसकी सीबीआई जांच कराने की सिफारिश कर दी है। सरकार के इस फैसले के बाद अब देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी इस पूरे सुसाइड मिस्ट्री की गुत्थी सुलझाएगी। इस बीच,ट्विशा शर्मा का परिवार और उनके वकील अब आरोपियों के खिलाफ कानूनी शिकंजा पूरी तरह कसने की तैयारी में जुट गए हैं। ट्विशा शर्मा के परिवार के वकील आयुष तिवारी ने कोर्ट में पैरवी के दौरान एक बेहद चौंकाने वाला और बड़ा दावा किया है। वकील ने ट्विशा शर्मा और उनकी सास गिरीबाला सिंह के बीच हुई व्हाट्सएप चैट का हवाला दिया है। वकील ने कहा...'इन दोनों के बीच की व्हाट्सएप चैट से साफ

तौर पर ये जाहिर होता है कि ट्विशा को ससुराल में लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। उसे बहुत ज्यादा परेशान किया जा रहा था।' ट्विशा का परिवार इस मौत के पीछे के असली सच को सामने लाने के लिए अब अदालत में ट्विशा शर्मा के शव का दोबारा से पोस्टमार्टम कराने की मांग उठाने की पूरी तैयारी कर रहा है। ट्विशा के परिवार के वकील ने मामले के आरोपी पति समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत का कोर्ट में विरोध करने की बात कही है। वहीं,ट्विशा की सास गिरीबाला सिंह को मिली अग्रिम जमानत को भी तुरंत खारिज करने की मांग उठाई जा रही है। वकील आयुष तिवारी ने पुलिस में एफआईआर दर्ज होने के महज कुछ ही घंटों के भीतर गिरीबाला सिंह को आनन-फानन में मिली अग्रिम जमानत पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। वकील का सीधा आरोप है कि इतनी जल्दी और आनन-फानन में अग्रिम जमानत मिलना इस बात का सबूत है कि गिरीबाला सिंह ने अपने रसूख और पद का पूरी तरह से गलत इस्तेमाल किया है। इस पूरे मामले को लेकर ट्विशा के परिवार ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

एक्ट्रेस-ट्विशा के पति को जबलपुर से भोपाल ला रही पुलिस

एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के केस में पति समर्थ सिंह शुक्रवार को जबलपुर जिला कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचा। यहां भोपाल पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। इस दौरान मीडिया ने उससे बातचीत करने की कोशिश की,लेकिन वह पूरी तरह चुप्पी साधे रहा। कोर्ट परिसर में करीब एक घंटे तक गहमागहमी की स्थिति बनी रही। समर्थ को पुलिस अपने साथ लेकर भोपाल के लिए रवाना हो गई है। समर्थ की पहचान छुपाने के लिए जबलपुर जिला कोर्ट परिसर में उसके कपड़े बदलवाए गए। भोपाल में मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा (31) की संदिग्ध परिस्थितियों में 12 मई को मौत हुई थी। वह भोपाल के कटारा हिल्स स्थित बागमुगालिया एक्सटेंशन में रहने वालीं रिटायर्ड महिला जज गिरीबाला की बहू थीं।

पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले को मिली जान से मारने की धमकी

कोलकाता,22 मई 2026। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार विक्रम साहू को जान से मारने की धमकी मिली है। दुकानदार की ओर से दावा किया गया कि पिछले कुछ दिनों से उसे पाकिस्तान और बांग्लादेश से रोजाना धमकी भरे कॉल आ रहे हैं। पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले विक्रम साहू रातोंरात सुर्खियों में आ गए थे। विक्रम साहू और पीएम मोदी के बीच हुई बातचीत पूरे चुनाव में चर्चा का विषय बन गई थी। हालांकि, रातोंरात मिली यह शोहरत अब उसके लिए मुसीबत बन गई है। दुकानदार विक्रम साहू ने कहा कि वह अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित है क्योंकि उन्हें डर है कि फोन करने

वाले उसके साथ कोई साजिश रच सकते हैं। आईएएनएस से बात करते हुए विक्रम साहू ने कहा कि मुझे पाकिस्तान से वीडियो और फोन कॉल के जरिए बार-बार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। वे मुझे बम से उड़ाने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो लोग मुझे वीडियो कॉल कर रहे हैं,वे मुझे डराने के लिए खौफनाक इशारे कर रहे हैं और हथियार भी दिखा रहे हैं। उन्होंने मुझे चेतावनी दी है कि तुम्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

पाकिस्तान-बांग्लादेश सीमा पर लागू होगी स्मार्ट सुरक्षा प्रणाली,अमित शाह बोले...हर घुसपैठिए को निकालेंगे

नई दिल्ली,22 मई 2026। केंद्र सरकार पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमा पर स्मार्ट बॉर्डर सुरक्षा सिस्टम लागू करने जा रही है। इसके तहत ड्रोन और स्मार्ट कैमरे से सीमा पर हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। गृह मंत्री अमित शाह ने इसका ऐलान किया है। सीमा सुरक्षा बल के संस्थापक और प्रथम सीमा प्रहरी केएफ रुस्तमजी की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने ये बात कही। साथ ही उन्होंने घुसपैठियों को भी कड़ी चेतावनी दी है। शाह ने कहा कि हर एक घुसपैठिए की पहचान करके उसे बाहर निकालना और जनसांख्यिकीय परिवर्तन को रोकना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा,सबसे

महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें आगे आने वाले खतरों को पहचानना होगा। हमारी जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने के उद्देश्य से सीमाओं के पार होने वाली अवैध घुसपैठ के प्रति सतर्क रहना हमारी जिम्मेदारी है। हमें अपनी अर्थव्यवस्था पर नशीले पदार्थों और नकली मुद्रा के प्रभाव को कम करने के लिए ठोस कदम भी उठाने होंगे। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार अगले एक साल के भीतर पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर स्मार्ट बॉर्डर सुरक्षा सिस्टम लागू करेगी। इसके तहत ड्रोन, रडार, स्मार्ट कैमरे और अन्य आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर निगरानी मजबूत की जाएगी, ताकि घुसपैठ और तस्करी को रोका जा सके।

तिहाड़ जेल से बाहर आएगा दिल्ली दंगों का आरोपी उमर खालिद,हाई कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली,22 मई 2026। उमर खालिद को दिल्ली हाई कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने उन्हें एक जून से तीन जून तक की राहत प्रदान की है ताकि वह अपनी बीमार मां की मेडिकल सर्जरी के दौरान उनकी देखभाल कर सकें और अपने चाचा के चहलुम में शामिल हो सकें। मामले की सुनवाई के दौरान उमर खालिद की ओर से अदालत को बताया गया कि उनकी मां की सर्जरी निर्धारित है और परिवार को उनकी मौजूदगी की आवश्यकता है। साथ ही परिवार में आयोजित चहलुम रस्म में शामिल होने की अनुमति भी मांगी गई थी। दिल्ली हाई कोर्ट ने मानवीय आधार पर अंतरिम जमानत मंजूर करते हुए तय अवधि के भीतर राहत दी। अदालत ने इस दौरान निर्धारित शर्तों का पालन करने के निर्देश भी दिए हैं। उमर खालिद फिलहाल उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में न्यायिक हिरासत में हैं।

अभिजीत दीपके का पहला ऑनलाइन संबोधन,नीट धांधली पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली,22 मई 2026। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दीपके सोशल मीडिया पर अपनी पार्टी का आधिकारिक पेज बनाने के ठीक 7 दिन बाद पहली बार शुक्रवार को ऑनलाइन माध्यम से जनता के सामने आए। उन्होंने देश में गर्माए नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। दीपके ने इस पूरी धांधली के लिए सीधे तौर पर नैतिक जिम्मेदारी तय करने की बात कहते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की पुरजोर मांग की है। सोशल मीडिया पर उनके इस आक्रामक रुख की काफी चर्चा

हो रही है। अभिजीत दीपके ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो संदेश पोस्ट करके युवाओं और छात्रों से एकजुट होने की अपील की है। उन्होंने वीडियो में कहा, 'देश के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। आज हम एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन पिटीशन (याचिका) की शुरुआत करने जा रहे हैं, जिसके जरिए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग बुलंद की जाएगी।' दीपके ने आम नागरिकों और पीड़ित छात्रों से इस पिटीशन पर ज्यादा से ज्यादा संख्या में हस्ताक्षर (साइन) करने का आग्रह किया है ताकि सोई हुई प्रशासनिक व्यवस्था और सिस्टम की गंभीर गलतियों पर सीधे सवाल दागे जा सकें। गौरतलब है कि इस अनोखी 'कॉकरोच जनता पार्टी' की स्थापना के पीछे एक दिलचस्प और विवादित पृष्ठभूमि है।

संपादकीय

कोचिंग संस्कृति की चपेट में शिक्षा

मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट के पेपर लीक कांड ने सभी को दुःखी और चिंतित किया है। नीट पेपर लीक कांड ने बताया कि किस तरह पैसा,बढ़ते लालच और अयोग्य होकर भी योग्य छात्रों की सीट छीनने की चाहत के त्रिकोण ने ऐसी घटनाओं को जन्म दिया है। इसी त्रिकोण ने मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ लिपिक पद की परीक्षाओं तक के लिए भी देश भर में कोचिंग का जाल खड़ा कर दिया है। देश में अनेक कोचिंग हब बन गए हैं। आनलाइन-आफलाइन के कोचिंग तंत्र विकसित हो गए हैं और कोचिंग व्यवसाय एक इंडस्ट्री का रूप ले चुका है। यह इंडस्ट्री अब अत्यंत समर्थ और शक्तिवान हो गई है। इसका टर्नओवर छह मिलियन डालर का हो गया है। आने वाले वर्षों में इसके 17 मिलियन डालर हो जाने की संभावना है। इस इंडस्ट्री में प्रतिवर्ष लगभग 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है। जिस व्यवसाय में इतना अपार धन निहित हो, वह किसी भी फूलप्रूफ सिस्टम में छेद कर पेपर लीक करा सकता है। नीट पेपर लीक कांड में गिरफ्तार कुछ लोग कोचिंग व्यवसाय से भी जुड़े हैं।

वास्तव में हर सिस्टम में ऐसे लोग होते हैं, जिनमें लालच अपना फन छुपाए प्रवेश कर जाता है। इसीलिए हाल में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक को एक सामाजिक बुराई कहा। ऐसी सामाजिक बुराई के खिलाफ सरकार और समाज,दोनों को साथ आकर काम करना होगा। सरकार अपनी व्यवस्था को दुरुस्त करने में तो लगी ही है,लोगों को भी खुद एक नैतिक समाज में तब्दील होना होगा। मेडिकल कालेजों की सीट में हेराफेरी में अनेक स्तरों पर कमीशनखोर एजेंट्स, कंसलटेंट नुमा दलालों और पेपर लीक करने वालों का जाल फैला हुआ है। यह बड़े शहरों से लेकर कस्बों तक फैल गया है। 1980 के दशक में जब हम स्कूली छात्र थे तो कोचिंग संस्थानों का जाल इतना नहीं फैला था। तब सरकारी स्कूल बेहतर स्थिति में थे और कमजोर छात्रों के लिए ही कोचिंग आवश्यक मानी जाती थी।

1990 के दशक के बाद सरकारी स्कूल व्यवस्था कई जगह पर कमजोर हुई। इसका लाभ शिक्षा को व्यवसाय मानने वालों ने उठाया। यह वही दौर था जब भारत में मध्य वर्ग का कई गुना विस्तार हुआ। नव उदारवादी अर्थव्यवस्था के आने के बाद जब बाजार आक्रामक हुआ तो उसने शिक्षा और परीक्षा को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसी समस्या को देखते हुए मोदी सरकार ने जो नई शिक्षा नीति बनाई, उसमें शिक्षा मंत्रालय का सबसे ज्यादा जोर शिक्षा के माध्यम से ऐसा नैतिक मानस सृजित करना है,जो परंपरा से जुड़ा हुआ आधुनिक नवाचारी नागरिक हो।

शिक्षा मंत्रालय ने इस बार जैसे ही नीट पेपर लीक की खबर आई, त्वरित निर्णय लेते हुए उसे निरस्त किया और जांच सीबीआइ को सौंप दी। इसके साथ ही परेशान छात्रों के लिए आर्थिक एवं व्यवस्थागत सहयोग की कई घोषणाएं कीं। शिक्षा मंत्रालय का यह कदम योग्य छात्रों के हक पर अयोग्य एवं अनैतिक शक्तियों के कब्जा करने की रणनीति के खिलाफ एक सख्त पहल के रूप में भी देखा जाना चाहिए। यह कदम अनैतिक शक्तियों के मंसूबों पर पानी फेरने वाला है।

पिछली बार जब ऐसी घटना हुई थी तो शिक्षा मंत्रालय ने कई सुधारात्मक कदम उठाए थे। पेपर लीक में लिप्त पाए गए लोगों को कठोर सजा देने के लिए सरकार ने पब्लिक एग्जामिनेशन प्रिवेंशन आफ अनफेयर मीन्स एक्ट बनाया और ऐसे मामलों से निजात पाने के लिए राधाकृष्णन कमेटी का गठन किया। एनटीए ने इस कमेटी की कुछ सिफारिशों को लागू भी किया है। इस कमेटी के सुझावों के अनुसार शिक्षा मंत्री ने अगले साल से नीट-यूजी, पीजी परीक्षा सीबीटी यानी कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट के रूप में कराने की घोषणा की है। इससे एक लाभ यह होगा कि परीक्षा की पूरी प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम होगा। संपूर्ण व्यवस्था एवं प्रक्रिया काफी कुछ डिजिटल मोड में आ जाएगी। यह ठीक है कि इस मोड में परीक्षा कई दिन और कई सेट प्रश्नपत्रों के साथ करानी होगी और परीक्षा के मूल्यांकन हेतु संतुलित नार्मलाइजेशन की प्रक्रिया भी अपनानी होगी, लेकिन इससे लाभ यह होगा कि पेपर लीक की आशंका लगभग खत्म हो जाएगी। एक तरफ एनटीए अपनी व्यवस्था चाक चौबंद बनाने में लगा है, दूसरी तरफ छात्र पुनः परीक्षा की तैयारी में जुटे हैं। इस बीच विरोधी दलों ने सरकार पर आक्रमण तेज कर दिया है,लेकिन पेपर लीक जैसे मुद्दे कभी भी राजनीतिक नहीं होते। ये बड़े अर्थों में सामाजिक मुद्दे भी होते है। पेपर लीक से निजात पाने के लिए हम सबको अपने अंदर झांककर खुद को सुधारते रहने होगा। आखिर पैसा देकर पेपर लीक कराने और लीक पेपर खरीदने वाले इसी समाज के लोग ही हैं। यह समय आरोप-प्रत्यारोप करने का नहीं। विकास के बड़े लक्ष्य पाने एवं देश के नव उत्थान का है। यह ठीक है कि नीट निरस्त होने से छात्रों और अभिभावकों के तनाव का क्षण लंबा हो गया, पर पुनः परीक्षा अयोग्य एवं भ्रष्ट शक्तियों के कब्जे की साजिश को रोकने की कोशिश है। यह वह प्रक्रिया है, जिससे गुजरकर ही नीट के प्रतिभागी छात्र एक नई सुबह तक पहुंच पाएंगे।

लघुकथा

सीने पर दर्द...

टीकेश्वर सिन्हा
बालोद,छत्तीसगढ़

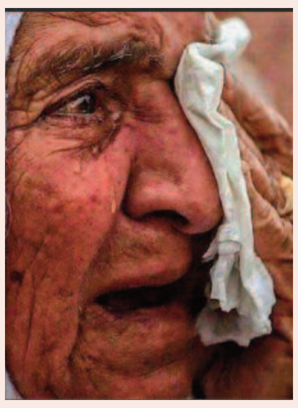

महेश,गोपाल और वैभव तीनों शातिर बदमाश थे। एक पुलिस एनकाउंटर में तीनों को गोली लगी थी। उन्हें कस्टडी में लेकर एक ही हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। एक ही वार्ड में ही थे तीनों। वैसे तो उन तीनों की स्थिति खतरे से बाहर थी। गोपाल और वैभव के पैरों पर गोली लगी थी; और महेश के कंधे पर। उसकी हालत थोड़ी-सी क्रिटिकल थी। कंधे पर धँसी गोली को कंधे के पीछे से निकाली ली गई थी। उन तीनों की माएँ बहुत दुःखी थीं। गोपाल की माँ ने कहा...मेरे गोलू के टखने को छुती हुई गोली निकल गई। भगवान ने बचा लिया मेरे बेटे को।वैभव की माँ बोली...हे ईश्वर ! मेरे बेटे को सद्बुद्धि देना कि अब यह अपनी अच्छी जिंदगी जीयें। तभी महेश का बड़ा भाई आया। बड़े दुखी मन से बोला-माँ,बस अब मत रोओ। गोली कंधे पर लगी है। अब कुछ ही देर बाद इसे होश आ जाएगा।
डबडबाई आँखों से महेश की माँ बोली- भले ही गोली इसकी कंधे पर लगी है; पर दर्द तो मेरे सीने पर हो रहा है।

जो तुम सोचते हो, वो बन जाओगे
यदि तुम खुद को कमजोर सोचते हो, तुम कमजोर हो जाओगे
अगर खुद को ताकतवर सोचते हो, तुम ताकतवर हो जाओगे
-स्वामी विवेकानंद जी-

तपती धरती,झुलसता जीवन : हीटवेव की चुनौती

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं,बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है...अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है...दिल्ली, राजस्थान,उत्तर प्रदेश,महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तो दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं,श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों,बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई...यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार,अंधाधुंध शहरी करण,जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है...प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए,लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया...आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं...

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं,बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई,वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर कंक्रीट के जंगल बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट,डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव तेजी से बड़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती।

दिल्ली,मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं,न पर्याप्त जल आपूर्ति,न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है,लेकिन मजदूर,रिक्शा चालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है,लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है,जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है,एसी बढ़ते हैं,उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थ व्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं,धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं,जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक,हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों,बच्चों,गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है।

गर्मी का यह संकट सामाजिक और मानवीय संकट भी बन सकता है। जल स्रोतों के सूखने,कृषि संकट और जीवन परिस्थितियों के बिगड़ने से बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ सकता है। जैव विविधता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अनेक जीव-जंतु और वनस्पतियां अपने प्राकृतिक आवास खो रही हैं। हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। केवल रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी करना पर्याप्त नहीं है। हीटवेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने,जल संरक्षण, छायादार मार्ग,सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों,कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो।

सरकार को भवन निर्माण नीति में भी परिवर्तन लाना होगा। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला-हवादार घर, आंगन,मिट्टी आधारित निर्माण, हरित छतें और प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा देना चाहिए। कांच की चमचमाती इमारतों और ऊष्मा अवशोषित करने वाले निर्माणों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। कूल रूफ तकनीक,वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित शीतलन प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वन संरक्षण और वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं,राष्ट्रीय प्राथमिकता बनना चाहिए। शहरों में माइक्रो फॉरेस्ट,पार्क और हरित गलियारों का निर्माण किया जाए। जल निकायों और पारंपरिक तालाबों को पुनर्जीवित किया जाए क्योंकि वे स्थानीय तापमान नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल सरकारें यह लड़ाई नहीं जीत सकतीं। आम जनता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हमें उपभोगवादी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। पानी का संयमित उपयोग,ऊर्जा की बचत,वृक्षारोपण,सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण अब व्यक्तिगत विकल्प नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी हैं।

भारतीय समाज में कभी सार्वजनिक प्याऊ,छायादार विश्राम स्थल और जल सेवा की समृद्ध परंपरा थी। गर्मियों में राहगीरों के लिए जल की व्यवस्था पुण्य कार्य माना जाता था। आज उस परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। समाज, धार्मिक संस्थाएं और स्वयंसेवी संगठन मिलकर जल सेवा और राहत कार्यों का अभियान चला सकते हैं। गर्मी और जल संकट को राजनीति का विषय बनाने के बजाय सहयोग और समाधान का विषय बनाना होगा। जल विवादों और संसाधनों पर स्वार्थपूर्ण राजनीति भविष्य को और कठिन बनाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन,पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूलन को राष्ट्रीय सहमति का विषय बनाया जाए।

वर्ष 2026 की यह झुलसाती गर्मी हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने अभी भी प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित नहीं किया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और विकराल होगी। पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा,जैव विविधता नष्ट होगी, खाद्य संकट गहराएगा और मानव जीवन अधिक कठिन हो जाएगा। यह समय प्रकृति से संघर्ष का नहीं, उसके साथ सामंजस्य का है। हमें विकास की ऐसी दिशा चुननी होगी जिसमें पर्यावरण, मानव जीवन और भविष्य सुरक्षित रह सके। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब सूरज की तपिश केवल असुविधा नहीं, अस्तित्व का संकट बन जाएगी।

काला सोना या हरा भविष्य?
सिंगरौली अब दोनों का मेल सिखाएगा

सिंगरौलीः जहाँ धरती कोयला उगलती है और फैसले रास्ता बनाते हैं सुप्रीम कोर्ट का 'डेवलपमेंट फर्स्ट' मंत्र -अडानी परियोजना को नई उड़ान

प्रो.आर.के.जैन 'अरिजीत'
बड़वानी,मध्यप्रदेश

ऊर्जा और विकास की जटिल धारा में बहता सिंगरौली आज फिर सुर्खियों के शिखर पर है। यह वही क्षेत्र है जहाँ कोयले की परतों के नीचे आर्थिक आकांक्षाएँ और पर्यावरणीय प्रश्न साथ-साथ सांस लेते हैं। 21 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने अजय दुबे की याचिका विलंब के आधार पर खारिज की, जिसमें अडानी समूह की महान एनर्जन लिमिटेड (धीरौली कोल ब्लॉक) की वन/पर्यावरण मंजूरी को चुनौती दी गई थी। यह आदेश केवल न्यायिक प्रक्रिया की औपचारिकता नहीं,बल्कि विकास की रफ्तार और नीति-स्थिरता को नई दिशा देने वाला संकेत भी है। कोयला उत्पादन के लिए प्रसिद्ध यह इलाका अब एक बार फिर राष्ट्रीय ऊर्जा विमर्श के केंद्र में मजबूती से उभर आया है, जहाँ भविष्य की राह अब अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगी है।

कानूनी अनिश्चितता की परत हटते ही परियोजना के लिए स्थिरता का नया आधार तैयार हो गया है,जो बड़े निवेश और खनन गतिविधियों को गति देता है। सुप्रीम कोर्ट ने समयबद्ध न्याय व्यवस्था का महत्व स्पष्ट करते हुए कहा कि देरी से दाखिल याचिकाएँ विकास की प्रक्रिया को बाधित नहीं कर सकतीं। इसी संदर्भ में सिंगरौली की यह परियोजना राष्ट्रीय ऊर्जा ढांचे में एक मजबूत कड़ी बनती दिखाई दे रही है। बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के बीच यह निर्णय वर्तमान मांगों को संभालते हुए भविष्य की दिशा भी निर्धारित करता है। यह फैसला न्याय और विकास के बीच संतुलन का सशक्त उदाहरण है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में यह परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। धीरौली कोल ब्लॉक की अधिकतम उत्पादन क्षमता 6.5 मिलियन टन प्रति वर्ष (6.5 एमटीपीए) निर्धारित है, जिसमें मुख्य रूप से ओपन-कास्ट खनन शामिल है। इस कोयला उत्पादन से अडानी पावर की बिजली उत्पादन श्रृंखला मजबूत होने की उम्मीद है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए यह परियोजना बिजली आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने, उत्पादन लागत को नियंत्रित करने और औद्योगिक विकास को गति देने में सहायक सिद्ध हो सकती है। आधुनिक खनन प्रौद्योगिकी के उपयोग से न केवल उत्पादकता बढ़ेगी बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को भी मजबूती मिलेगी। इस परियोजना से मध्य प्रदेश में आर्थिक संभावनाओं का विस्तार होने की संभावना है। स्थानीय स्तर पर हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे, जिससे सिंगरौली और आसपास के क्षेत्रों में बेरोजगारी दर कम करने में मदद मिलेगी। छोटे-मध्यम उद्योगों,ट्रांसपोर्ट, होटल दुकानों और सेवा क्षेत्र को नई गति मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार को रॉयल्टी,टैक्स और अन्य मदों से पर्याप्त राजस्व प्राप्त होगा। साथ ही सड़क,बिजली,स्वास्थ्य,शिक्षा और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास को भी गति मिलेगी।

विकास की दौड़ जितनी तेज हो रही है, पर्यावरणीय चेतावनी उतनी ही स्पष्ट और गंभीर स्वर में सामने खड़ी है। सिंगरौली की धरती पहले से ही कोयला खनन के दबाव तले संतुलन बनाए रखने की कोशिश करती रही है। वन भूमि का घटता दायरा, वृक्षों की कटाई और जैव विविधता पर बढ़ता संकट अब अनदेखा नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आधुनिक तकनीकों जैसे धूल नियंत्रण प्रणाली,जल पुनर्चक्रण और उन्नत प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का प्रभावी उपयोग किया जाए, तो पर्यावरणीय क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके साथ ही अनिवार्य वनरोपण,मिट्टी संरक्षण और जल स्रोतों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है।

किसी भी बड़े विकास की असली कसौटी उसकी सामाजिक स्वीकार्यता और स्थानीय भागीदारी होती है। यह परियोजना भी केवल आर्थिक या तकनीकी सफलता पर नहीं,बल्कि समुदायों के समावेशन पर निर्भर करेगी। प्रभावित क्षेत्रों के हजारों परिवारों के लिए पुनर्वास और उचित मुआवजा जरूरी है। वन अधिकार अधिनियम के तहत सभी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए उनकी आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। कौशल विकास के जरिए स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करना और उन्हें प्राथमिकता देना भी आवश्यक है। जब समुदाय विकास का हिस्सा बनेगा,तभी यह परियोजना वास्तव में टिकाऊ और स्वीकार्य होगी।

न्यायिक निर्णयों की दिशा में यह फैसला एक स्पष्ट संदेश छोड़ता है कि प्रक्रिया में अनावश्यक देरी विकास की गति को रोक नहीं सकती। याचिका को विलंब के आधार पर खारिज करना इस बात का संकेत है कि बड़े प्रोजेक्ट लंबे कानूनी ठहराव में नहीं फंसाए जा सकते। यह निर्णय आने वाली परियोजनाओं के लिए एक मजबूत मार्गदर्शक बनकर उभर रहा है। साथ ही यह भी अपेक्षित है कि विकास कार्य पर्यावरणीय मानकों और सामाजिक दायित्वों का सख्ती से पालन करें। कानून का वास्तविक उद्देश्य अनुमति के साथ-साथ संतुलन स्थापित करना भी है।

सतत विकास आज विकास की दिशा तय करने वाला सबसे निर्णायक सिद्धांत बन चुका है। कोयला आधारित ऊर्जा पर निर्भरता को धीरे-धीरे घटाकर सौर, पवन और हाइड्रोजन जैसी स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ना अब अनिवार्य हो गया है। यदि इस परियोजना में स्वच्छ खनन तकनीक,हरित ऊर्जा एकीकरण और सतत पर्यावरण निगरानी को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, तो यह संतुलित विकास का मजबूत उदाहरण बन सकती है। सरकार,उद्योग और प्रशासन के समन्वित प्रयासों से मजबूत निगरानी तंत्र विकसित करना आवश्यक है, ताकि विकास और पर्यावरण के बीच वास्तविक संतुलन बना रहे।

भविष्य की ऊर्जा तस्वीर अब इसी निर्णय और उसके क्रियान्वयन की दिशा से तय होगी। असली चुनौती यही है कि इस परियोजना को केवल आर्थिक उपलब्धि न बनाकर पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सामाजिक न्याय के संतुलन में ढाला जाए। सिंगरौली यदि विकास और संरक्षण के बीच सही सामंजस्य स्थापित कर पाता है, तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत उदाहरण बन सकता है। सच्चा विकास वही है जिसमें प्रकृति, समाज और भविष्य–तीनों साथ-साथ सुरक्षित,संतुलित,जिम्मेदार, समावेशी, टिकाऊ और सतत रूप से आगे बढ़ें।

बेरोजगार युवाओं का रोष उजागर करता कॉकरोच जनता पार्टी इंटरनेट एकाउंट

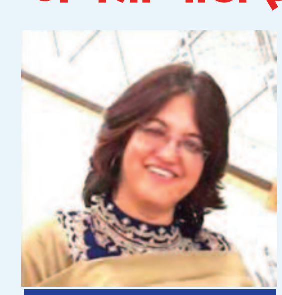
केशी गुप्ता
द्वारका दिल्ली

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

आज इंटरनेट की दुनिया में कॉकरोच जनता पार्टी सुर्खियां बटोरे हुए है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत द्वारा जैन जी युवा पीढ़ी पर की गई टिप्पणी ने तब एक ऐसा नया मोड़ ले लिया जब महाराष्ट्र के अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक कॉकरोच जनता पार्टी नाम से एक सोशल मीडिया एकाउंट बना उस में बेरोजगार युवा को जोड़ने के लिए एक फॉर्म निकाल दिया। जिससे जोड़ने की योग्यता बेरोजगार युवा होना है ।जो अपना अधिक समय इंटरनेट पर बीतता है । इस पार्टी का चिन्ह मोबाइल की स्क्रीन में कैद कॉक्रोच है। अभिजीत दीपके ने पुणे से पत्रकारिता और बोस्टन से पब्लिक रिलेशन की पढ़ाई की है। ये आम आदमी पार्टी के साथ भी काम कर चुके है। इस हैंडल ने इंस्टाग्राम की दुनिया में तहलका मचा दिया है । तथाकथित तथ्यों पर आधारित देखते ही देखते 2 लाख से अधिक युवा इस पार्टी की सदस्यता ले चुके हैं और 40 लाख से अधिक फॉलोअर्स है , जिनकी संख्या बढ़ती जा रही है । हालांकि जस्टिस सूर्यकांत ने अपने इस बयान को ले कर सफाई जारी की है कि उनके कथित वक्तव्य को गलत तरह से जोड़ा गया है । उनका भारतीय युवाओं का अपमान करने का इरादा नहीं था । विचार करने योग्य बात ये है कि इस एक वक्तव्य ने भारतीय पृष्ठभूमि में आज के बेरोजगार युवा पीढ़ी के रोष,नाराजगी को सामने ला खड़ा कर दिया है । जो आज के डिजिटल भारत में अपने भविष्य को ले कर चिंतित और निराश है । इस तरह का कदम बेरोजगारी से जूझती युवा पीढ़ी का देश के सिस्टम के खिलवा एक उद्घोष है । इस पार्टी ने अपना एक मैनिफेस्टो भी निकल दिया है । जिसके अंतर्गत राइटरिमेंट के बाद किसे भी जज को राज्य सभा की सदस्यता नहीं दी जाएगी। महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत कैबिनेट और संसद में आरक्षित सीटें दी जाएगी। यदि किसी नागरिक का वैध वोट डिलीट किया जाता है तो चुनाव आयोग पर यूएपीए के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा। दलबदलु नेताओं पर 20 साल का बैन लगाया जाएगा। सभी बेरोजगारों को बेसिक वेतन दिया जायेगा । एक तीखी टिप्पणी ने देश भर के बेरोजगार युवाओं को इकट्ठा कर दिया है। यदि हम पिछली कुछ राजनीतिक सामाजिक परिस्थितियों पर नजर डाले तो नीट पेपर लीक होने पर आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल देश की जैन जी युवा पीढ़ी को आंदोलन के लिए पुकार रहे थे ,ऐसे में ये कथित वक्तव्य आग में घी का काम कर गया लगता है। कथित तथ्यों के अनुसार ट्विटर ङ्क से इस युवा पार्टी के हैंडल को प्रतिबंधित कर दिया गया है । सवाल ये उठता है क्या इस तरह से इस आग को फैलने से रोका जा सकता है ?क्या ये सही तरीका है ? क्या बेरोजगारी देश की एक बड़ी समस्या नहीं है ? देश के युवा देश का भविष्य होते है । उनकी समस्याओं और आवाज को सुन सही ठोस समाधान पर विचार विमर्श करना अत्यंत आवश्यक है।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

बसों में 'लगेज कारोबार' पर अब तक कार्रवाई नहीं, रायपुर-बिलासपुर-बनारस-रांची-झारखंड रूट की निजी बसें फिर सवालों के घेरे में...

यात्रियों से ज्यादा पार्सल ढुलाई की चर्चा,विभागीय चुप्पी से बढ़े संदेह...

-न्यूज डेस्क-
अम्बिकापुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।
रायपुर,बिलासपुर,बनारस,रांची और झारखंड रूट पर चलने वाली निजी बसों में कथित अवैध लगेज ढुलाई और बिना दस्तावेज सामान परिवहन के आरोपों पर अब तक कोई बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आने से मामला और गर्मा गया है। यात्रियों,व्यापारियों और स्थानीय लोगों के बीच अब यह सवाल उठने लगा है कि आखिर लगातार शिकायतों और खुली चर्चाओं के बावजूद परिवहन विभाग,जीएसटी विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई क्यों दिखाई नहीं दे रही। क्षेत्र में चर्चा है कि कुछ निजी बसों में यात्री परिवहन से ज्यादा प्राथमिकता पार्सल और व्यावसायिक सामान ढुलाई को दी जा रही है। आरोप है कि सीटों के नीचे,गैलरी,डिक्की और कई बार बस की छत तक सामान भर दिया जाता है,जिससे यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा दोनों प्रभावित हो रही हैं।

कार्रवाई नहीं होने से बढ़े सवाल...

मामला सामने आने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि संबंधित विभाग बस स्टैंडों और प्रमुख रूटों पर संयुक्त जांच अभियान चलाएंगे। लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी न तो बड़े स्तर की चेकिंग दिखाई दी और न ही किसी बस ऑपरेटर के खिलाफ सार्वजनिक कार्रवाई की जानकारी सामने आई। इसी को लेकर अब बाजार और परिवहन क्षेत्र में सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस पूरे नेटवर्क पर किसी प्रकार का संरक्षण प्राप्त है? स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटे वाहन चालकों और सामान्य परिवहनकर्ताओं पर तुरंत कार्रवाई होती है, लेकिन बड़े बस नेटवर्क के मामलों में विभागीय सख्ती नजर नहीं आती।

यात्रियों की सुरक्षा पर भी खतरा...

यात्रियों का आरोप है कि कई बसों में इतनी अधिक मात्रा में पार्सल भर दिए जाते हैं कि बैठने और सामान रखने तक में परेशानी होती है। कुछ यात्रियों ने बताया कि लंबी दूरी के सफर में गैलरी तक सामान से भरी रहती है,जिससे दुर्घटना या आपात स्थिति में बाहर निकलना मुश्किल हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यात्री बसों में अनियंत्रित लगेज लोडिंग सुरक्षा मानकों के खिलाफ है और इससे हादसों का खतरा बढ़ सकता है।

रात में सक्रिय होता है पार्सल नेटवर्क

स्थानीय सूत्रों के अनुसार रात के समय कई बस एजेंटों और ऑपरेटरों के माध्यम से बड़े पैमाने पर पार्सल बुकिंग की जाती है। बताया जा रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक सामान,कपड़े,कॉस्मेटिक सामग्री,दवाइयां,किराना और अन्य व्यावसायिक सामग्री नियमित रूप से बसों के जरिए रायपुर,बिलासपुर,रांची,बनारस और झारखंड के विभिन्न जिलों तक भेजी जा रही है। लेकिन अधिकांश मामलों में सामान के साथ उचित जीएसटी बिल,ई-वे बिल या परिवहन दस्तावेज नहीं होने की चर्चा है। लोगों का कहना है कि यदि दस्तावेजों की गंभीरता से जांच की जाए तो कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ सकते हैं।

झारखंड रूट पर बढ़ी गतिविधियों की चर्चा...

स्थानीय व्यापारिक सूत्रों का कहना है कि झारखंड की ओर जाने वाली बसों में हाल के महीनों में पार्सल गतिविधियां और बढ़ी हैं। आरोप है कि कई बसों में यात्रियों से ज्यादा प्राथमिकता लगेज बुकिंग को दी जा रही है। कुछ लोगों का कहना है कि रात के समय संदिग्ध पैकेट भी बिना जांच के लोड किए जाते हैं,जिससे अवैध वस्तुओं की ढुलाई की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं हुई है।

'टैक्स चोरी का बड़ा नेटवर्क?

व्यापारिक वर्ग के बीच यह चर्चा भी तेज है कि यदि बिना ई-वे बिल और जीएसटी दस्तावेजों के नियमित रूप से व्यावसायिक सामान की ढुलाई हो रही है,तो इससे शासन को बड़े पैमाने पर राजस्व हानि हो सकती है। कर विशेषज्ञों का कहना है कि व्याव सायिक माल परिवहन के लिए निर्धारित नियमों का पालन आवश्यक है। यदि माल का स्रोत, बिलिंग और टैक्स रिकॉर्ड स्पष्ट नहीं हो तो मामला गंभीर माना जा सकता है।

यात्री बस या चलता-फिरता पार्सल गोदाम?

शहर में अब यह सवाल चर्चा का विषय बन गया है कि आखिर यात्री बसों का उपयोग परिवहन सेवा के लिए हो रहा है या फिर उन्हें 'चलता-फिरता पार्सल गोदाम' बना दिया गया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस नेटवर्क पर सख्ती नहीं हुई तो आने वाले दिनों में यात्री सुरक्षा,टैक्स व्यवस्था और कानून व्यवस्था तीनों पर गंभीर असर पड़ सकता है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि संबंधित विभाग कब जागेंगे और क्या वास्तव में इस कथित अवैध लगेज नेटवर्क पर कोई बड़ी कार्रवाई होगी या मामला केवल चर्चाओं तक सीमित रह जाएगा।

विभागीय संयुक्त जांच की मांग तेज...

स्थानीय नागरिकों,व्यापारियों और यात्रियों ने अब संयुक्त जांच अभियान की मांग तेज कर दी है। लोगों का कहना है कि:

- प्रमुख बस स्टैंडों पर नियमित जांच हो।
- बसों में लोड पार्सलों के दस्तावेज जांचे जाएं।
- जीएसटी ई-वे बिल और टैक्स रिकॉर्ड का सत्यापन किया जाए।
- बिना दस्तावेज माल ढुलाई पर सख्त कार्रवाई हो।
- यात्रियों की सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया जाए।
- झारखंड और अन्य राज्यों में जाने वाली बसों की विशेष निगरानी हो।

बसों में लगेज के नाम पर खेल! रायपुर,बिलासपुर, बनारस और रांची रूट पर अवैध सामान ढुलाई का आरोप
यात्रियों की सीटों के नीचे तक भर रहे पार्सल,बिना जांच और बिल के हो रही सप्लाई,टैक्स चोरी की भी आशंका

टीएस की दावेदारी पर कांग्रेस में बयानबाजी तेज

दीपक बैज बोले...दिल्ली में करें काम,सिंहदेव ने कहा...मुझमें आज भी युवाओं वाली ऊर्जा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद को लेकर कांग्रेस में बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की दावेदारी को लेकर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने उन्हें दिल्ली जाकर काम करने की सलाह दी। बैज ने कहा कि प्रदेश में युवा काम कर रहे हैं और युवाओं को मौका मिलना चाहिए। दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी बेहतर काम कर रही है। टीएस सिंहदेव बड़े नेता हैं और उपमुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। ऐसे में उन्हें दिल्ली में पार्टी के लिए काम करना चाहिए। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए टीएस सिंहदेव ने कहा कि पता नहीं किस सोच के साथ यह बात कही गई। दीपक बैज हमारे अध्यक्ष हैं और उनसे मेरे अच्छे संबंध रहे हैं। युवाओं को मौका जरूर मिलना चाहिए, लेकिन मैं खुद में आज भी युवाओं जैसी ऊर्जा महसूस करता हूं। उन्होंने कहा कि हो सकता है बैज का संकेत यह हो कि जिनके पास युवाओं जैसी ऊर्जा है,उन्हें आगे भी जिम्मेदारी मिलती रहेगी। अंतिम फैसला पार्टी हाईकमान को लेना है।

पहले प्रदेश में कांग्रेस मजबूत करना जरूरी

सिंहदेव ने कहा कि तमिलनाडु और पुडुचेरी में उन्हें स्टैंडिंग कमेटी चेयरपर्सन की जिम्मेदारी दी गई थी। सीईसी सदस्य के रूप में पांच राज्यों के चुनाव में भी भागीदारी रही। उन्होंने कहा कि सबसे पहली जिम्मेदारी अपने प्रदेश और कार्यक्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत करना है। फिलहाल वे इसी काम में जुटे हैं और पूरे प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरगुजा में उन्हें किसी से पूछने की जरूरत नहीं है। वे अपने लोगों से मिलने और पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से दौरा कर रहे हैं।

दीपक बैज भविष्य में सीएम भी बन सकते हैं...

टीएस सिंहदेव ने कहा कि दीपक बैज खुद को युवा बताते हैं और भविष्य में वे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी बन सकते हैं। उन्हें मेहनत करनी चाहिए और जनता के बीच लगातार काम करना चाहिए।

सिंहदेव को साइड करना चाहती है कांग्रेस : रामविचार नेताम

कृषि मंत्री बोले...कांग्रेस में अंतर्कलह खुलकर सामने आ रही

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।
टीएस सिंहदेव को लेकर कांग्रेस नेताओं के बीच चल रही बयानबाजी पर प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भीतर अंतर्कलह चल रही है और अब यह खुलकर सामने आने लगी है। नेताम ने कहा कि कांग्रेस के कई नेता टीएस सिंहदेव को पचा नहीं पा रहे हैं और उन्हें साइड करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि यह बयानबाजी अचानक नहीं हो रही,बल्कि इसके पीछे अंदरखाने कुछ और चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सिंहदेव का काफी उपयोग किया और अब उन्हें किनारे करने की कोशिश की जा रही है। नेताम ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार बनने में सिंहदेव की बड़ी भूमिका रही थी,लेकिन बाद में उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया गया। रामविचार नेताम ने कहा कि कांग्रेस'यूज एंड थ्रो' की राजनीति करती है। सिंहदेव को सिर्फ लॉलीपॉप पकड़ाया गया और बाद में उनके साथ कट्टर विरोधियों जैसा व्यवहार किया गया। उन्होंने सिंहदेव को आगाह करते हुए कहा कि वे सतर्क रहें और कांग्रेस नेताओं के बहकावे में न आएं।

अघोषित बिजली कटौती,जर्जर सड़क और बदहाल सफाई व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का चक्काजाम

- संगम चौक पर घंटों जमे कांग्रेस कार्यकर्ता,ट्रिपल इंजन सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी...
- बिजली कटने से लोग परेशान और बिल बढ़ता जा रहा है,'रोड हमारा बन नहीं पा रहा है...' जैसे स्लोगन से गूंजा चौक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।
शहर में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती,राष्ट्रीय राजमार्ग एवं नगर निगम की जर्जर सड़कों, बदहाल सफाई व्यवस्था,बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट और बजबजाती नालियों की समस्या को लेकर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा सड़क पर उतर आई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने शहर के व्यस्ततम संगम चौक पर चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। चिलचिलाती धूप के बीच शाम करीब 4 बजे शुरू हुआ यह आंदोलन देर शाम तक जारी रहा। प्रदर्शन के चलते शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और कई मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और स्लोगन लिखे बोर्ड लेकर पहुंचे थे।'बिजली कटने से लोग परेशान और बिल बढ़ता जा रहा है','रोड हमारा बन नहीं पा रहा है,कहो मंजूषा मजा आ रहा है'जैसे नारों के जरिए कांग्रेस नेताओं ने नगर निगम और सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि शहर की मूलभूत सुविधाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं,लेकिन जिम्मेदार विभाग और जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं हैं।

पहले दिया गया था ज्ञापन : नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शफ़ी अहमद ने बताया कि शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर 18 मई को सरगुजा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन में बिजली कटौती,सड़क मरम्मत,सफाई व्यवस्था सुधारने और स्ट्रीट लाइट चालू कराने की मांग की गई थी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि ज्ञापन देने के बाद भी प्रशासन और संबंधित विभागों द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की गई,जिसके चलते पार्टी को सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मैलोडी चॉकलेट बांटकर जताया विरोध...

चक्काजाम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहगीरों, वाहन चालकों और प्रदर्शन स्थल पर मौजूद लोगों को मैलोडी चॉकलेट भी बांटी। इसके माध्यम से कांग्रेस ने व्यंग्यात्मक अंदाज में 'ट्रिपल इंजन सरकार' पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता को समस्याओं को भूलकर तकलीफों के साथ जीने की आदत डालने का संदेश दिया जा रहा है। यह तरीका लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

शहर की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही...

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अम्बिकापुर शहर में पिछले कुछ समय से अघोषित बिजली कटौती आम बात हो गई है। दिन और रात में लगातार बिजली बंद होने से आम नागरिकों,व्यापारियों,विद्यार्थियों और मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली कटौती के बावजूद लोगों के बिजली बिल लगातार बढ़ रहे हैं,जिससे आम उपभोक्ताओं में नाराजगी है। इसके अलावा शहर की कई प्रमुख सड़कें और राष्ट्रीय राजमार्ग जगह-जगह से जर्जर हो चुके हैं। बारिश से पहले ही सड़कों की हालत खराब होने के कारण लोगों को रोजाना दुर्घटना और जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पूरी तरह बदहाल हो चुकी है। कई वार्डों में नियमित सफाई नहीं हो रही, नालियां गंदगी से बजबजा रही हैं और बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों के कारण रात के समय लोगों को अंधेरे में आवागमन करना पड़ रहा है।

नागरिकों से मांगी माफी,कहा...'जनहित में मजबूरी : चक्काजाम के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने आम नागरिकों को हो रही असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया। नेताओं ने कहा कि जनता की समस्याओं को लेकर बार-बार प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया,लेकिन समाधान नहीं होने के कारण मजबूरन सड़क पर उतरना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन पूरी तरह जनहित से जुड़ा हुआ है और यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस इससे भी बड़ा आंदोलन करेगी।

'20 करोड़ कहाँ खर्च हुए?' कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पूछा सवाल : सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से तीखे सवाल किए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा शहर की सड़कों के निर्माण और मरम्मत के लिए 20 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे,लेकिन अब तक यह राशि कहाँ खर्च हुई, इसका जवाब जनता को नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर की सड़कें बदहाल हैं और जिम्मेदार विभाग केवल कागजी दावे कर रहे हैं।

बिजली विभाग पर कमीशनखोरी का आरोप : कांग्रेस नेताओं ने बिजली विभाग के अधिकारियों को भी जमकर घेरा। चक्काजाम स्थल पर मौजूद विद्युत विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए नेताओं ने कहा कि विभाग में कमीशनखोरी और बिजली लाइनों में घटिया स्तर के उपकरणों के उपयोग के कारण शहर की विद्युत व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान हैं, लेकिन विभाग समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नहीं है।

एनएच विभाग को दी घेराव की चेतावनी...

प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों के मौके पर नहीं पहुंचने पर कांग्रेस नेताओं ने नाराजगी जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि राष्ट्रीय राजमार्ग की जर्जर सड़कें जल्द नहीं सुधारी गईं तो कांग्रेस पार्टी ह॥ कार्यालय का घेराव करेगी। साथ ही महामाया चौक से गुरुद्वारा तक गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण कराने की मांग भी उठाई गई।

यातायात रहा प्रभावित, पुलिस रही तैनात...

संगम चौक पर चक्काजाम के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस बल मौके पर तैनात रहा और वैकल्पिक मार्गों से वाहनों की आवाजाही कराई जाती रही। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी करते रहे और सरकार एवं प्रशासन के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया।

तकिया मजार शरीफ हिन्दू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक : डॉ. सलीम राज

संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।
सद्भावना ग्राम तकिया उर्स शरीफ 2026 के अवसर पर आयोजित भव्य कव्वाली कार्यक्रम में सूफियाना रंग जम गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त डॉ. सलीम राज ने किया। देर रात तक चले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जायरीन और शहरवासी शामिल हुए। डॉ. सलीम राज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले उर्स कार्यक्रमों में तकिया मजार शरीफ का विशेष महत्व है। यह आयोजन हिन्दू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक है, जहां सभी धर्म और समाज के लोग एक साथ शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने अंजुमन कमेटी को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए

प्रदेश और देश में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगी। कार्यक्रम में सरगुजा जिले के उन स्कूली विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टॉप स्थान हासिल किया। मुंबई के मशहूर कव्वाल मुज्तबा अजीज नाजा और सोलापुर की कव्वाल छोटी तमन्ना ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अजीज नाजा ने मोहब्बत,इंसानियत,सामाजिक सौहार्द और देशभक्ति से ओतप्रोत कव्वालियां पेश कर खूब तालियां बटोरीं।
अतिथियों ने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन समाज में भाईचारे, प्रेम और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में शासकीय अधिवक्ता विनोद दूबे, फैजान सरवर, फैजान अहमद सीबू,एजाज भाई,बसित अली,हाजी इकबाल,शायर अतुल अजनबी,रूबी सिद्दीकी,सलाउद्दीन सिद्दीकी,नौशाद सिद्दीकी, सफदर अली,फजल हक,याकूब खान,जावेद खान,रिजवान सिद्दीकी,अफजला अंसारी, अब्दुल लतीफ,सादाब रिजवी,रकीब अंसारी,सिकंदर खान,अनिक खान,इरफान खान, शाहिद खान और सिराजुल अंसारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। अंजुमन कमेटी के अध्यक्ष इरफान सिद्दीकी और परवेज आलम गांधी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर सरगुजा वनमंडल का आयोजन

'स्थानीय स्तर पर कार्य,वैश्विक प्रभाव'थीम पर संरक्षण का संदेश

संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।
अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026 के अवसर पर सरगुजा वनमंडल द्वारा काष्ठागार अम्बिकापुर (टिम्बर डिपो) में वनमंडल स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा प्रकृति एवं वन्यजीवों के संरक्षण हेतु सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह रहीं। विशेष अतिथि के रूप में सभापति श्री हरमिंदर सिंह उपस्थित रहे। पार्षद नगर निगम अम्बिकापुर श्री

शैलेष सिंह भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन मंडलाधिकारी सरगुजा अम्बिकापुर श्री अभिषेक जोगावत द्वारा की गई। मुख्य अतिथि श्रीमती निरुपा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जैव विविधता हमारी प्राकृतिक धरोहर है और इसके संरक्षण के बिना सतत विकास संभव नहीं है।

CMYK

धधक उठा आस्था का पहाड़...कुदरगढ़ धाम में भीषण आग से मचा हड़कंप,श्रद्धालुओं की सांसें अटकीं

कुदरगढ़ धाम में भीषण आग के बाद श्रद्धालुओं में मची अफरा-तफरी, पुजारियों की झोपड़ियां जलकर राख

दोपहर में अचानक उठीं आग की लपटें

-संवाददाता-
सूरजपुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।

कुदरगढ़ धाम में शुक्रवार की दोपहर अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया,आग इतनी तेजी से फैली कि मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं और पुजारियों के बीच अफरा-तफरी की स्थिति बन गई, देखते ही देखते पहाड़ी पर बनी पुजारियों की झोपड़ियां और श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए अस्थायी शेड आग की चपेट में आ गए,आग की ऊंची लपटें दूर से दिखाई दे रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने के दौरान अचानक तेज धमाके जैसी आवाज भी सुनाई दी,हालांकि विस्फोट किस वजह से हुआ, इसका स्पष्ट कारण अब तक सामने नहीं आ सका है,घटना के बाद पुजारियों ने मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया,जो तेजी से वायरल हो रहा है। दानपेटी तक पहुंची आग, समय रहते हटाया गया-घटना के दौरान आग मंदिर परिसर के पास रखी दानपेटी तक पहुंच गई थी, वहां मौजूद लोगों और पुजारियों ने तत्काल दानपेटी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया,यदि समय रहते उसे नहीं हटाया जाता तो बड़ा नुकसान हो सकता था,आग से मंदिर परिसर के आसपास बने कई अस्थायी ढांचे जलकर खाक हो गए। श्रद्धालुओं में दहशत,बच्चों और महिलाओं को नीचे उतारा गया-घटना के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता बागेश्वरी देवी के दर्शन के लिए पहुंचे हुए थे, अचानक आग फैलने से लोग घबरा गए और सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे,महिलाओं और बच्चों को तत्काल नीचे उतारा गया,राहत की बात यह रही कि अब तक किसी जनहानि की सूचना नहीं मिली है,लेकिन घटना ने श्रद्धालुओं को डरा दिया। फायर ब्रिगेड के सामने पहाड़ी बनी चुनौती-कुदरगढ़ धाम पहाड़ी पर स्थित है,जहां पहुंचने के लिए लगभग 800 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। ऐसे में आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा,पहाड़ी रास्ता और ऊंचाई राहत कार्य में सबसे बड़ी बाधा बने, ट्रस्ट समिति द्वारा फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई,जिसके बाद आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया। सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल-घटना के बाद मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं,हर वर्ष नवरात्र में यहां हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं,लेकिन पहाड़ी क्षेत्र में आग जैसी आपदा से निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आए,फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

मैनपाट घूमने आई एक महिला पर्यटक की हादसे में मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।

मैनपाट घूमने आई एक महिला पर्यटक की सडक हादसे में मौत हो गई। महिला अपने परिवार व अन्य लोगों के साथ बस से मैनपाट घूमने आई थी। लौटने के दौरान मेन्ड्राकला के पास सडक पार करते समय तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार देवकी बाई पाल (55) पति विशंभर पाल ग्राम तुरमा थाना भाटापारा जिला बलौदाबाजार की रहने वाली थी। वह परिवार व गांव के अन्य लोगों के साथ बस में सवार होकर मैनपाट घूमने आई थी। बस में करीब 30 से 35 लोग सवार थे। मैनपाट घूमने के बाद सभी अंबिकापुर पहुंचे और मां महामाया मंदिर में दर्शन कर वापस अपने गांव लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि गुरुवार को मेन्ड्राकला पेट्रोल पंप के पास सडक किनारे खाली मैदान में बस रोककर सभी लोग खाना बनाने व खाने के लिए रुके थे। खाना खाने के बाद देवकी बाई पत्तल फेंकने के लिए सडक पार कर रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी और चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला को परिजन व साथ आए लोग तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन यहां डॉक्टरों ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

भाजपा सरगुजा का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।

भाजपा सरगुजा द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का समापन शहर के रिदम गार्डन होटल में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र में भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में संगठन जिला प्रभारी कृष्णकांत चन्द्रा,जिला सह प्रभारी सुनील गुप्ता एवं जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया मंचासीन रहे। सत्र की अध्यक्षता वर्ग नियंत्रक अम्बिकेश केशरी ने की। मंच संचालन जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं महामंत्री अरुणा सिंह ने किया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए अखिलेश सोनी ने कहा कि भाजपा में सीखने और प्रशिक्षण की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। प्रशिक्षण वर्ग संगठन की कार्यकुशलता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित गरीब कल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उज्ज्वला योजना,आयुष्मान भारत,नल-जल योजना,शौचालय निर्माण,मुख्यमंत्री खाद्यान योजना एवं महतारी वंदन जैसी योजनाओं ने गरीबों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने वाले सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के समर्पण और बेहतर व्यवस्था के कारण प्रशिक्षण गरिमापूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। उन्होंने आयोजन में जिम्मेदारी निभाने वाले सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षण वर्ग के विभिन्न सत्रों में अनुराग सिंह देव, ज्योतिनंद दुबे,कृष्णकांत चन्द्रा,प्रमोद सिंह,राकेश चंद्राकर एवं संतोष दास ने विषय वक्ता के रूप में संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया।

वहीं सत्रों की अध्यक्षता विधायक प्रबोध मिंज,अनिल सिंह मेजर,कमलभान सिंह,फुलेश्वरी सिंह,विद्यानंद मिश्रा एवं देवनाथ सिंह पैकरा ने की। कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल चुनाव में संगठनात्मक जिम्मेदारी निभाने वाले गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव,संभाग सह प्रभारी हरपाल सिंह भामरा एवं विधायक रामकुमार टोप्पो को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंजूषा भगत, ललन प्रताप सिंह,निरूपा सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

सौर ऊर्जा स्टार्टर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार,चोरी का सामान बरामद

-संवाददाता-
राजपुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।

थाना राजपुर पुलिस ने सौर ऊर्जा पम्प का स्टार्टर चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया स्टार्टर भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार प्रार्थी डेरीहा गोंड द्वारा थाना राजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसके खेत में लगे सौर ऊर्जा पम्प का स्टार्टर अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है। मामले में थाना राजपुर पुलिस ने अपराध क्रमांक 127/2026 के तहत धारा 303(2) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना एवं संदेह के आधार पर पुलिस ने आरोपी सुखदेव उर्फ बच्चू पिता रमेश्वर गोंड उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम बदोली थाना राजपुर जिला बलरामपुर, सुखनन्दन पिता लालमनी गोंड उम्र 21 वर्ष निवासी कल्याणपुर चौकी लटोरी थाना जयनगर जिला सूरजपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी की घटना को स्वीकार कर लिया। आरोपियों के मेमोरेंडम कथन के आधार पर पुलिस ने चोरी गया सौर ऊर्जा पम्प का स्टार्टर, जिसकी अनुमानित कीमत 30 हजार रुपये बताई गई है, बरामद कर जप्त किया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर दोनों आरोपियों को 22 मई 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अन्तोनी टोप्पो आ0 चरणसाय,उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी ग्राम-बसियापारा,बर्केद पेडद्व थाना राजपुर,तहसील-राजपुर, जिला-बलरामपुर (छ0ग0) । यह कि, मेरे कक्षा-12वीं की अंकसूची में मेरा नाम - अन्तोनी टोप्पो (ANTONY TOPPO) अंकित है, जो सत्य एवं सही है । मेरे आधार क्रमांक- 835419971412 में मेरा नाम - अन्तोनिस (Antonys)अंकित किया गया है, जो गलत है। मेरा आधार कार्ड में अंकित नाम - अन्तोनिस को विलोपित कर मेरा मेरा वास्तविक नाम अन्तोनी टोप्पो (ANTONY TOPPO) अंकित करने हेतु स्वयं का शपथ पत्र निष्पादित है।

शपथग्रहिता
अन्तोनी टोप्पो

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर.(छ0ग0)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम- प0ह0न0

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश कुशवाहा पिता देवसाय जाति कोइरी निवासी ग्राम सिरसी प.ह.न. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता देवसाय का मृत्यु दिनांक 27/10/2003 को ग्राम सिरसी में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पिता देवसाय का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सिरसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 05/06/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला-सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

आगामी तिथि 19/06/2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक अनूप कुमार अग्रवाल आ0 रमेश कुमार अग्रवाल, उम्र लगभग 39 वर्ष निवासी मेन रोड सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर जिला- सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1987/2, 1991/2 रकबा क्रमशः 1307, 2613 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 01/04/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है। जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 19/06/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 15/5/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील
नजूल अधिकारी
सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामकुमार सांडिल्य आ0/ पति स्व0 गोविन्द राम नाई जाति नाई, निवासी नवागढ़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - शीतलावार्ड, शीट नम्बर नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3283/1, 3283/3, 3293/1 रकबा 0.082 1/2, 0.04, 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-05/06/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-15/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर दिनाँक 19/05/26

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम- गोरता
तहसील- लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रविन्द्र राजवाड़े आ0 स्व0 रामसुरीत निवासी ग्राम गोरता तहसील लखनपुर के द्वारा अपने पिता स्व0 रामसुरीत की मृत्यु दिनॉक 10/03/2008 को हो जाने से (जन्म/ मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनॉक 4/06/2026 को सूनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 04.06.2026. के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा ।

सील
तहसीलदार
लखनपुर,सरगुजा

खबर का बड़ा असर...दो महीने बाद जागा विभाग,चालू हुआ सोलर पंप

परसापारा में पेयजल संकट खत्म,ग्रामीणों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

मीडिया की पहल के बाद हरकत में आया विभाग, नया मोटर लगते ही शुरू हुई पानी की सप्लाई

-सोनू कश्यप-
प्रतापपुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत केवरा के आश्रित ग्राम परसापारा में पिछले दो महीनों से गहराया पेयजल संकट आखिरकार समाप्त हो गया। लंबे समय से बंद पड़े सोलर पेयजल पंप को विभाग ने सुधारते हुए उसमें नया मोटर स्थापित कर दिया है। मोटर लगने के साथ ही गांव में दोबारा पानी की सप्लाई शुरू हो गई,जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। खासकर महिलाओं,बुजुर्गों और बच्चों के चेहरों पर फिर से मुस्कान लौट आई है,जो बीते कई सप्ताहों से पानी की समस्या से सबसे ज्यादा परेशान थे। ग्रामीणों के अनुसार गांव में लगा सोलर पेयजल पंप करीब दो महीने पहले मोटर खराब होने के कारण बंद हो गया था। शुरुआत में लोगों को उम्मीद थी कि विभाग जल्द ही समस्या का समाधान कर देगा, लेकिन दिन बीतते गए और स्थिति लगातार गंभीर होती चली गई। गांव के लोगों को पीने के पानी के लिए दूर-दराज के हैंडपंपों और जलस्रोतों का सहारा लेना पड़ रहा था। महिलाओं को सुबह-शाम कई किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ता था,जबकि बुजुर्ग और छोटे बच्चे भी इस समस्या से प्रभावित हो रहे थे। स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि कई परिवार मजबूरी में तालाब और अन्य असुरक्षित जलस्रोतों का पानी उपयोग करने लगे थे। इससे ग्रामीणों में जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ने लगा था। गर्मी के मौसम में पानी की समस्या ने लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित कर दी थी।

शिकायतें होती रहीं, लेकिन नहीं हुई कार्रवाई

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग एवं अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन लंबे समय तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। लगातार शिकायतों के बावजूद सोलर पंप की मरम्मत नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही थी। ग्रामीणों का आरोप था कि जिम्मेदार विभाग मामले को गंभीरता से नहीं ले रहा था।

घटती-घटना ने उठाई आवाज, तब हरकत में आया विभाग...

इसके बाद स्थानीय पत्रकार सोनू कश्यप एवं अन्य प्रिंट मीडिया पत्रकारों ने ग्रामीणों की समस्या को प्रमुखता से उठाया। समाचार प्रकाशित होने के बाद मामला प्रशासन और विभागीय अधिकारियों तक गंभीरता से पहुंचा। खबर का असर यह हुआ कि विभाग तत्काल हरकत में आया और खराब पड़े सोलर पंप में नया मोटर लगाकर पेयजल व्यवस्था बहाल कर दी गई।

पानी शुरू होते ही गांव में खुशी का माहौल

सोलर पंप चालू होने के बाद गांव में फिर से नियमित पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। पेयजल संकट खत्म होने के बाद ग्रामीणों ने राहत महसूस की और मीडिया के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि जब उनकी समस्याओं को कोई सुनने वाला नहीं था, तब मीडिया ने उनकी आवाज बनकर प्रशासन तक बात पहुंचाई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान कर दिया जाता तो उन्हें दो महीने तक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए,ताकि ग्रामीणों को लंबे समय तक परेशान न होना पड़े।

ग्रामीणों ने कहा...'मीडिया ने दिलाई राहत

ग्रामीणों ने कहा कि गांव के गरीब और जरूरतमंद लोगों की समस्याएं अक्सर अनदेखी रह जाती हैं, लेकिन इस मामले में मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोगों ने पत्रकारों की सराहना करते हुए कहा कि जनहित के मुद्दों को लगातार उठाए जाने से ही विभाग को कार्रवाई करनी पड़ी और गांव में दोबारा पेयजल व्यवस्था बहाल हो सकी।

कार्यालय अभियंता,ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छत्तीसगढ़)

Phone :- 07775-266048 E-Mail ID: ee-res.surajpur@gov.in

निविदा आमंत्रण सूचना '

क्रमांक / 783..../वलेलि /ग्रा. यां. से/ 2026-27 सूरजपुर दिनाँक 20/05/2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ÷डी÷ एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत सिविल ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपए लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	अमानत राशि सत्य सत्यनिष्ठ संधि एवं तकनी की दस्तावेज स्पीड पोष्ट से जमा करने की तिथि
1	2	3	4	5
1	Zonal tender under Janpad Panchayat Odgi Gr-3, Ramanujnagar Gr-1, 3, 4 & Premnagar Gr-1,2,4 Distt- Surajpur (C.G.)	100.00	25.05.2026 17:30 PM	26.05.2026 17:30 PM

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक 14.05.2026 से कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ प्राप्त की जा सकती है।

Digitally signed by
SANJAY KUMAR GOND
Date: 2026.05.20
13:39:37+05'30

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा,
संभाग सूरजपुर जिला- सूरजपुर

जी.नं.-262700900/5

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा0) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार जनकपुर में उपलब्ध नये, पुराना ईमारती काष्ठ एवं नये पुराना जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार जनकपुर से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम - काष्ठागार जनकपुर
नीलाम दिनांक - 29-05-2026
नीलाम समय - प्रातः 09:00 बजे से प्रारम्भ

क्र	प्रजाति	नये अविक्रित काष्ठ		पुराने अविक्रित काष्ठ			
		लट्ठा	बल्ली	लट्ठा		बल्ली	
		नग	घ0मी0	नग	घ0मी0	नग	घ.मी.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	0	0	267	20.077	3762	43.264
2	साल	250	350.000	10090	1219.116	1081	33.613
3	साजा	0	1.500	0	0	0	0.000
4	धावड़ा	0	0.500	0	0	0	0.000
5	हल्दू,मुण्डी,बांसा	0	0	13	1.016	0	0.000
6	नीलगिरी	0	0	0	0	717	3.778
	योगः—	250	352.000	10370	1240.209	5560	80.655
7	मिश्रित जलाऊ	150 चट्टा नया		677 चट्टा पुराना			
	योग :—	150 चट्टा नया		677 चट्टा पुराना			

टीप -1. केता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व कय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत श्व.रूष्ठ. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई डी से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल,मनेन्द्रगढ़

जी.नं.-262700857/5

'सुशासन' का महा शो से रामपुर में घोषणाओं की बारिश, योजनाओं की बहार और उम्मीदों का बाजार

- रामपुर बना सत्ता का दरबार,मुख्यमंत्री ने बांटी सौगातें,जनता ने मांगा जवाब
- सुशासन तिहार या विकास महोत्सव? सूरजपुर में 66 करोड़ की घोषणाओं से गरमाई राजनीति
- मंच पर योजनाएं,भीड़ में उम्मीदें,रामपुर शिविर में सरकार का शक्ति प्रदर्शन
- 'सरकार आपके द्वार' का बड़ा इम्तिहान : रामपुर में घोषणाएं खूब,अब निगाह क्रियान्वयन पर
- रामपुर में विकास की बरसात,मुख्यमंत्री ने खोला योजनाओं का पिटारा,जनता बोली–काम भी दिखना चाहिए
- व्हील चेयर से लेकर करोड़पति दीदी तकः सुशासन तिहार में संवेदना,राजनीति और घोषणाओं का संगम
- तेंदूपत्ता,आलू चिप्स और करोड़ों की सौगात : रामपुर में मुख्यमंत्री का जनसंवाद बना चर्चा का केंद्र

-संवाददाता-
सूरजपुर,22 मई 2026
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के रामानुजनगर विकासखंड के ग्राम रामपुर में गुरुवार को आयोजित सुशासन तिहार 2026 केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं था,बल्कि यह सत्ता, योजनाओं,घोषणाओं,जनसंवाद और राजनीतिक संदेशों का ऐसा संगम बन गया,जिसने पूरे इलाके को प्रशासनिक गतिविधियों के केंद्र में ला खड़ा किया,मंच पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मौजूद थे,सामने हजारों ग्रामीणों की भीड़ थी,विभागीय स्टॉलों की कतार थी, लाभार्थियों की सूची थी और सरकारी मशीनरी अपने पूरे तामझाम के साथ यह साबित करने में जुटी थी कि सरकार अब गांव की चौपाल तक पहुंच चुकी है।

भीषण गर्मी के बावजूद रामपुर में लोगों की भीड़ यह दिखा रही थी कि गांवों में अब भी सरकार से उम्मीदें खत्म नहीं हुई हैं,लोग राशन कार्ड की आस लेकर आए थे,कोई पेंशन की उम्मीद में बैठा था, कोई किसान क्रेडिट कार्ड की प्रतीक्षा कर रहा था,तो कोई केवल यह देखने आया था कि आखिर सुशासन तिहार नाम की यह सरकारी अवधारणा जमीन पर कैसी दिखती है,मुख्यमंत्री ने मंच से 66 करोड़ 99 लाख 53 हजार रुपये की लागत वाले 87 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया,साथ ही 116 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत सहायता सामग्री,स्वीकृति पत्र और आर्थिक लाभ प्रदान किए गए। कार्यक्रम में भाषण भी थे,भावनाएं भी थीं, घोषणाएं भी थीं और वह राजनीतिक संदेश भी, जो हर चुनावी लोकतंत्र में जनता तक पहुंचाना जरूरी माना जाता है–सरकार आपके साथ है।

सरकार आपके द्वार और जनता की असली अपेक्षाएं

मुख्यमंत्री ने मंच से कहा कि सरकार स्वयं गांवों में पहुंचकर यह देख रही है कि योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं,उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का समयबद्ध निराकरण किया जाए, यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्रामीण इलाकों में सबसे बड़ी शिकायत सरकारी दफ्तरों की धीमी कार्यप्रणाली को लेकर रहती है,आय,जाति,निवास प्रमाण-पत्र,पेंशन,भूमि रिकॉर्ड और राशन कार्ड जैसी बुनियादी सेवाओं के लिए लोगों को महीनों कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते हैं,मुख्यमंत्री ने ई-डिस्ट्रिक्ट प्रणाली और प्रस्तावित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की बात भी कही। डिजिटल सेवाओं को गांव तक पहुंचाने का दावा किया गया। लेकिन ग्रामीण भारत की वास्तविकता यह है कि इंटरनेट कनेक्टिविटी, तकनीकी जानकारी और स्थानीय स्तर पर संसाधनों की कमी अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

तेंदूपत्ता संग्राहकों के बीच चौपाल राजनीति

मुख्यमंत्री ने अपने प्रवास के दौरान रामानुजनगर के तेंदूपत्ता संग्रहण फड़ पटना का भी दौरा किया,यहां संग्राहकों ने तेंदूपत्ता और तेंदू फल की माला पहनाकर उनका स्वागत किया,सरकार ने बताया कि इस वर्ष तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा तय की गई है,लक्ष्य से अधिक संग्रहण को बड़ी उपलब्धि बताया गया,मुख्यमंत्री महुआ पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर संग्राहकों से बातचीत करते नजर आए,उन्होंने राशन,पेयजल,शिक्षा और महतारी वंदन योजना की जानकारी ली,चरण पादुका योजना के तहत जूते भी वितरित किए गए,वनाधारित क्षेत्रों में ऐसी चौपाल राजनीति का बड़ा महत्व होता है,क्योंकि यहां आजीविका सीधे जंगल से जुड़ी होती है, तेंदूपत्ता संग्रहण हजारों परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत है। इसलिए सरकार इस वर्ग को नाराज करने का जोखिम नहीं लेना चाहती।

पारंपरिक भोजन और सादगी का राजनीतिक संदेश

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री किसान रघुनंदन सिंह के घर पहुंचे और वहां पारंपरिक छत्तीसगढ़ी भोजन किया,सरई पत्ते के दोना-पत्तल में परोसी गई कोयलार भाजी,ईढ़र और आम की चटनी के साथ मिट्टी के गिलास में पानी पीते हुए मुख्यमंत्री ने स्थानीय संस्कृति से जुड़ाव का संदेश दिया,राजनीति में ऐसे दृश्य केवल भोजन नहीं होते,बल्कि प्रतीकात्मक संदेश होते हैं,यह बताने का प्रयास होता है कि सत्ता केवल मंच पर भाषण देने तक सीमित नहीं, बल्कि गांव की परंपराओं और जीवनशैली से भी जुड़ी हुई है।

घोषणाओं की चमक के पीछे असली सवाल

रामपुर का यह आयोजन प्रशासनिक दृष्टि से सफल और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली जरूर रहा, लेकिन असली परीक्षा अब शुरू होगी, क्या जिन लोगों को आज स्वीकृति पत्र मिला,उन्हें समय पर राशि भी मिलेगी? क्या जिन परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ,वे तय समय में पूरी होंगी? क्या किसानों को खाद और बीज समय पर मिलेगा? क्या जल जीवन मिशन के नल सालभर पानी देंगे? क्या महिलाओं के समूहों को स्थायी बाजार मिलेगा? क्योंकि गांवों में अब जनता केवल मंचीय घोषणाओं से प्रभावित नहीं होती। लोग परिणाम देखना चाहते हैं, रामपुर में सुशासन तिहार ने सरकार की मंशा,राजनीतिक सक्रियता और प्रशासनिक ताकत का प्रदर्शन जरूर किया है,लेकिन आने वाले महीनों में यही जनता इन घोषणाओं की असली रिपोर्ट तैयार करेगी,फिलहाल इतना तय है कि सूरजपुर का रामपुर एक दिन के लिए प्रदेश की राजनीति,प्रशासन और जनसंपर्क का सबसे बड़ा मंच बन गया–जहां योजनाओं की फाइलें चौपाल तक उतरीं, घोषणाओं की बारिश हुई,उम्मीदों के सपने दिखाए गए और जनता ने एक बार फिर सरकार की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखा।

योजनाओं का ऐसा प्रदर्शन,मानो पूरा सचिवालय गांव में उतर आया हो...

रामपुर शिविर में अलग-अलग विभागों के स्टॉल देखकर ऐसा लग रहा था मानो जिला मुख्यालय का पूरा प्रशासनिक ढांचा गांव में स्थानांतरित कर दिया गया हो,पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग,खाद्य विभाग, समाज कल्याण विभाग,कृषि विभाग,राजस्व विभाग,वन विभाग, आजीविका मिशन,मत्स्य पालन विभाग–हर विभाग अपने-अपने उपलब्धि मॉडल के साथ मौजूद था,प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पांच हितग्राहियों को पक्के मकान की स्वीकृति मिली,मंच पर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए और यह संदेश देने की कोशिश हुई कि सरकार गरीबों को छत देने के अपने वादे पर गंभीर है, हालांकि ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी सुनाई देती रही कि कई गांवों में आज भी अधूरे आवास और किश्तों के इंतजार में लोग परेशान हैं, मनरेगा के तहत श्रमिकों को जॉब कार्ड वितरित किए गए, खाद्य विभाग ने राशन कार्ड बांटे। समाज कल्याण विभाग ने बुजुर्गों को पेंशन स्वीकृति पत्र दिए,दिव्यांगजनों को व्हील चेयर, ट्राइसाइकिल और छड़ी वितरित की गई,राजस्व विभाग ने आबादी पट्टा बांटकर वर्षों पुराने भूमि विवादों को सुलझाने का दावा किया, मंच से बार-बार यह कहा गया कि सरकार अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन गांवों में बैठे लोग यह भी जानते हैं कि अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने से पहले योजनाएं कई बार फाइलों, सत्यापन, दस्तावेज और कार्यालयी प्रक्रियाओं के जंगल में उलझ जाती हैं।

आलू चिप्स बना राजनीति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक

कार्यक्रम का सबसे चर्चित क्षण तब आया जब मुख्यमंत्री ने महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य जागेश्वरी प्रजापति से उनके आलू चिप्स व्यवसाय की जानकारी ली,जागेश्वरी ने बताया कि उनके समूह ने अब तक 1 लाख 85 हजार रुपये की आय अर्जित की है। यह सुनते ही मुख्यमंत्री मुस्कुराए और बोले आलू चिप्स का नाम सुनकर ही मुंह में पानी आ रहा है,यह एक साधारण टिप्पणी जरूर थी,लेकिन राजनीतिक मंचों पर ऐसे संवाद बड़ी भूमिका निभाते हैं,इससे मंच का माहौल हल्का हुआ,महिलाएं उत्साहित हुईं और कैमरों ने उस दृश्य को तुरंत कैद कर लिया, मुख्यमंत्री ने महिलाओं को लखपति दीदी से आगे बढ़कर करोड़पति दीदी बनने का सपना दिखाया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 8 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं और सरकार अब 10 लाख महिलाओं को इस श्रेणी में लाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, हालांकि जमीनी हकीकत यह भी है कि गांवों में छोटे स्वरोजगार समूहों को बाजार,पैकेजिंग,परिवहन और स्थायी बिक्री नेटवर्क जैसी चुनौतियों से लगातार जूझना पड़ता है,सरकारी मंच पर उत्पाद की तारीफ आसान है, लेकिन उसे बड़े बाजार तक पहुंचाना कहीं ज्यादा कठिन काम है।

रोशनी की व्हील चेयर और मां की आंखों में उतरती राहत

सरकारी आयोजनों में अक्सर आंकड़े और भाषण छा जाते हैं, लेकिन कुछ दृश्य ऐसे होते हैं जो सीधे दिल को छू जाते हैं,रामपुर शिविर में ऐसा ही दृश्य तब देखने को मिला जब सरईपारा की 17 वर्षीय दिव्यांग बालिका रोशनी को मुख्यमंत्री ने व्हील चेयर प्रदान की,रोशनी जन्म से दिव्यांग है,वह न ठीक से सुन पाती है और न बोल पाती है,उसकी मां अनीता कुर्रे वर्षों से बेटी को गोद में उठाकर अस्पताल,बाजार और दूसरे स्थानों तक ले जाने को मजबूर थीं,आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए यह संघर्ष किसी परीक्षा से कम नहीं था,जब मुख्यमंत्री ने रोशनी को व्हील चेयर सौंपी,तो अनीता कुर्रे की आंखों में राहत साफ दिखाई दी,वह दृश्य कार्यक्रम की औपचारिकता से अलग मानवीय संवेदना का प्रतीक बन गया,सरकारी योजनाओं की असली सफलता भी शायद ऐसे ही पलों में छिपी होती है,जब किसी परिवार की रोजमर्रा की पीड़ा थोड़ी कम हो जाती है।

66.99 करोड़ की सौगात और उम्मीदों का भारी बोझ

मुख्यमंत्री ने सूरजपुर जिले के लिए जिन 87 विकास कार्यों की घोषणा की,उनमें सड़क,स्वास्थ्य,पेयजल,शिक्षा और नगरीय विकास से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं,सबसे बड़ी परियोजना डुमरिया एनएच-43 से केवरा तक 20 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण और पुल-पुलिया निर्माण की रही, जिसकी लागत 32 करोड़ 48 लाख रुपये बताई गई,इस सड़क को जिले की यातायात व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताया गया,जिला अस्पताल में 32 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन का लोकार्पण किया गया, दावा किया गया कि अब मरीजों को जांच के लिए बड़े शहरों की ओर कम भागना पड़ेगा,जल जीवन मिशन के तहत कई गांवों में हर घर जल योजना का लोकार्पण हुआ। गांवों में शुद्ध पेयजल पहुंचाने की बात कही गई,नगरीय प्रशासन विभाग ने मिनी स्टेडियम,सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, सीसी रोड,नाली,फुटपाथ और प्रशासनिक भवनों की लंबी सूची पेश की, लेकिन जिले के लोग यह भी जानते हैं कि कई परियोजनाएं वर्षों तक अधूरी पड़ी रहती हैं, शिलान्यास पट्टिकाएं धूल खाती रहती हैं और जनता उद्घाटन से ज्यादा निर्माण पूरा होने का इंतजार करती है,ऐसे में अब लोगों की नजर केवल घोषणाओं पर नहीं,बल्कि उनके क्रियान्वयन पर होगी।

कुशहा चौपाल में अचानक उतरे मुख्यमंत्री
कहा समस्या बताइए, समाधान यहीं होगा !

सुशासन तिहार में अचानक बदला माहौल,गांव में उतरा सता का हेलीकॉप्टर

कुशहा चौपाल में अचानक उतरे मुख्यमंत्री,ग्रामीण बोले...पहली बार सरकार गांव में दिखी...

समस्या बताइए,समाधान यहीं होगा,कुशहा में मुख्यमंत्री ने सुनी जनता की सीधी शिकायतें...

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री का सरप्राइज दौरा,हैंडपंप से आवास तक अधिकारियों की लगी क्लास

लखपति दीदी अब बनेंगी करोड़पति,कुशहा चौपाल में महिलाओं का बढ़ाया हौसला

कुशहा में मुख्यमंत्री का चौपाल मॉडल : जनता सामने,अधिकारी जवाब देने को मजबूर...

पानी,बिजली और आवास पर मुख्यमंत्री सख्त,चौपाल में मौके पर दिया कार्रवाई के निर्देश...

सुशासन तिहार में ग्रामीणों से सीधा संवाद,मुख्यमंत्री ने कहा...सरकार आपके द्वार

बंद हैंडपंप,भारी बिजली बिल और अधूरे आवास,कुशहा चौपाल में खुलकर सामने आईं समस्याएं...

चौपाल में जनता की शिकायतें सुन एक्शन मोड में मुख्यमंत्री,अधिकारियों को दिया सख्त निर्देश...

-रवि सिंह-

कोरिया,22 मई 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुशहा में गुरुवार का दिन अचानक राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल का केंद्र बन गया,सुशासन तिहार के तहत जहां ग्रामीण अगले दिन आयोजित होने वाले शिविर की तैयारी में जुटे थे,वहीं तय कार्यक्रम से एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का हेलीकॉप्टर गांव में उतर गया। गांव के लोग पहले तो समझ ही नहीं पाए कि आखिर इतनी अचानक हलचल क्यों बढ़ गई,कुछ ही देर में खबर पूरे इलाके में फैल गई कि मुख्यमंत्री स्वयं चौपाल लगाने पहुंचे हैं। फिर क्या था–गांव की गलियों से लेकर चौपाल तक भीड़ उमड़ पड़ी,महिलाएं,बुजुर्ग,किसान, युवा और बच्चे मुख्यमंत्री को देखने और अपनी समस्याएं बताने के लिए पहुंचने लगे,कुशहा गांव कुछ देर के लिए प्रशासनिक मुख्यालय जैसा नजर आने लगा,अधिकारियों के चेहरे पर सतर्कता थी,जनप्रतिनिधियों में सक्रियता दिख रही थी और ग्रामीणों के बीच यह उत्सुकता थी कि शायद इस बार उनकी बात सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंच जाएगी।

कैसे हैं आप सब? से शुरू हुआ संवाद

मुख्यमंत्री ने चौपाल में पहुंचते ही मंचीय दूरी बनाने के बजाय सीधे ग्रामीणों के बीच बैठकर संवाद शुरू किया, उनका पहला सवाल था–कैसे हैं आप सब? कोई दिक्कत तो नहीं? इसके बाद उन्होंने एक-एक कर ग्रामीणों से महतारी वंदन योजना, बिजली, पानी, राशन और धान बोनस की स्थिति पूछी, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं घोषित करना नहीं, बल्कि यह देखना भी है कि उनका लाभ वास्तव में लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं, गांव के लोगों के लिए यह दृश्य असामान्य जरूर था। आमतौर पर शिकायतें आवेदन पत्रों और दफ्तरों तक सीमित रह जाती हैं, लेकिन यहां मुख्यमंत्री स्वयं सवाल पूछ रहे थे और अधिकारी जवाब देने की स्थिति में खड़े थे।

घोषणाओं से आगे,अब परिणाम की उम्मीद

कुशहा चौपाल ने गांव के लोगों को यह भरोसा जरूर दिया कि सरकार उनकी समस्याएं सुन रही है, लेकिन अब ग्रामीणों की असली उम्मीद यह है कि चौपाल में दिए गए निर्देश जमीन पर भी दिखाई दें, क्या बंद हैंडपंप सच में चालू होंगे? क्या कटगोड़ी में नियमित पानी पहुंचेगा? क्या अधूरे आवास पूरे होंगे? क्या बिजली बिल की समस्याएं कम होंगी? इन सवालों का जवाब आने वाले दिनों में मिलेगा, फिलहाल कुशहा गांव ने एक ऐसा दिन देखा, जब सत्ता हेलीकॉप्टर से उतरकर सीधे चौपाल तक पहुंची और गांव की आवाज कुछ देर के लिए शासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई।

लखपति दीदी से करोड़पति दीदी तक का सपना

चौपाल के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा महिलाओं के साथ मुख्यमंत्री के संवाद की रही, मुख्यमंत्री ने स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं से बात की और पूछा कि लखपति दीदी बनीं कि नहीं? जब एक महिला ने मुस्कुराते हुए कहा हाँ सर,बन गई हूँ, तो मुख्यमंत्री भी उत्साहित हो गए,उन्होंने कहा अब मेहनत जारी रखो,जल्द करोड़पति बनोगी,यह संवाद केवल मजाक या उत्साहवर्धन नहीं था, बल्कि सरकार की उस रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है जिसमें महिला स्व-सहायता समूहों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार बनाने की कोशिश की जा रही है,हालांकि गांव की महिलाएं यह भी जानती हैं कि केवल प्रशिक्षण और छोटे ऋण से करोड़पति बनने का रास्ता आसान नहीं होता,बाजार, परिवहन,स्थायी खरीदार और उत्पादन लागत जैसी चुनौतियां अब भी बड़ी हैं, फिर भी मुख्यमंत्री के शब्दों ने महिलाओं के बीच आत्मविश्वास जरूर बढ़ाया।

प्रधानमंत्री आवास योजना पर सचिव की क्लास

चौपाल के दौरान जब मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना की स्थिति पूछी तो ग्रामीणों ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी, कुछ लोगों ने बताया कि उन्हें आवास मिल गया है, जबकि कई ग्रामीणों ने शिकायत की कि अब तक उनका मकान अधूरा है या स्वीकृति ही नहीं मिली,मुख्यमंत्री ने तुरंत पंचायत सचिव को बुलाया और लंबित आवासों की जानकारी मांगी, चौपाल का माहौल कुछ देर के लिए प्रशासनिक समीक्षा बैठक में बदल गया, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को जल्द आवास उपलब्ध कराया जाए और अधूरे मकानों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए, गांवों में प्रधानमंत्री आवास योजना लंबे समय से चर्चा और शिकायत दोनों का विषय रही है, कई जगह लोगों को किश्तों में देरी, निर्माण सामग्री की महंगाई और तकनीकी प्रक्रियाओं के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में मुख्यमंत्री का सीधे हस्तक्षेप करना ग्रामीणों के लिए राहत का संकेत माना गया।

सर,हैंडपंप बंद हैं...और तुरंत शुरू हुआ एक्शन

गर्मी के मौसम में पानी सबसे बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया, मुख्यमंत्री ने जब पूछा कि गांव में पानी की व्यवस्था ठीक है या नहीं? तो ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा–सर,हैंडपंप बंद पड़े हैं। इतना सुनते ही मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जवाब मांगा। सचिव और संबंधित विभाग के कर्मचारियों को तत्काल निर्देश दिया गया कि बंद पड़े हैंडपंपों की सूची बनाकर उन्हें तुरंत चालू कराया जाए,ग्रामीणों ने बताया कि कई मोहल्लों में लोगों को दूर से पानी लाना पड़ रहा है, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है, मुख्यमंत्री ने कहा कि गर्मी के मौसम में पानी की समस्या को किसी भी हालत में नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

कटगोड़ी के लिए तुरंत टैंकर व्यवस्था

चौपाल में कटगोड़ी गांव के ग्रामीणों ने पेयजल संकट की गंभीर स्थिति मुख्यमंत्री के सामने रखी,लोगों ने बताया कि पानी की कमी इतनी बढ़ गई है कि रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा है,मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिया कि कटगोड़ी में टैंकर से जलापूर्ति शुरू की जाए,उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए परेशान नहीं होना चाहिए,राजनीतिक दृष्टि से देखें तो ऐसे त्वरित निर्णय संवेदनशील सरकार की छवि बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वहीं प्रशासन के लिए यह साफ संदेश था कि अब गांवों की शिकायतें सीधे मुख्यमंत्री के सामने पहुंच रही हैं।

बिजली बिल पर भी खुली चर्चा

चौपाल के दौरान एक ग्रामीण ने खड़े होकर शिकायत की कि बिजली तो मिल रही है, लेकिन बिल बहुत ज्यादा आ रहा है,इस पर मुख्यमंत्री ने समाधान योजना की जानकारी दी और कहा कि सरकार बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर आयोजित कर रही है,उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांवों में विशेष शिविर लगाकर बिजली बिल से जुड़ी शिकायतों का निराकरण किया जाए, ग्रामीण इलाकों में बिजली बिल हमेशा संवेदनशील मुद्दा रहा है, कई बार मीटर रीडिंग, गलत बिलिंग और बकाया राशि को लेकर विवाद होते रहते हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री द्वारा इस विषय पर सीधे बात करना लोगों के लिए महत्वपूर्ण रहा।

कामयाबी वेन से डिजिटल शिक्षा का संदेश...

कुशहा चौपाल में मुख्यमंत्री ने कामयाबी वेन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया,नीति आयोग समर्थित मिशन कामयाबी के तहत शुरू की गई यह डिजिटल शिक्षा वैन दूरस्थ गांवों तक आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा पहुंचाने का प्रयास है,इस वैन में वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी तकनीक के माध्यम से बच्चों को विज्ञान और तकनीकी शिक्षा दी जाएगी, ग्रामीण बच्चों के लिए यह पहल नई और आकर्षक जरूर है, लेकिन शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल शिक्षा की सफलता इंटरनेट,प्रशिक्षित शिक्षकों और नियमित तकनीकी समर्थन पर भी निर्भर करेगी।

चौपाल बनी अधिकारियों की मैदानी परीक्षा

कुशहा की यह चौपाल केवल जनसंवाद कार्यक्रम नहीं रही, बल्कि अधिकारियों के लिए मैदानी टेस्ट भी बन गई, मुख्यमंत्री जहां-जहां सवाल पूछ रहे थे,वहां-वहां अधिकारी जवाब देने की स्थिति में दिखाई दिए,गांव के लोगों का कहना था कि पहली बार उन्हें लगा कि उनकी बात सीधे शासन तक पहुंच रही है, वहीं राजनीतिक जानकार इसे सुशासन तिहार के जरिए सरकार की मैदानी सक्रियता का प्रदर्शन मान रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वर्चुअल माध्यम से किया शुभारंभ

जिला चिकित्सालय सूरजपुर में शुरू हुई सीटी स्कैन सुविधा

-संवाददाता-

कोरिया,22 मई 2026 (घटती-घटना)।

22 मई 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में बड़ी राहत मिली है, जिला चिकित्सालय सूरजपुर में अत्याधुनिक 32 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन की सुविधा शुरू हो गई है,मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से इस सुविधा का शुभारंभ किया।

लगभग 4.50 करोड़ की लागत से स्थापित हुई मशीन- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग,सीजीएमएससी तथा मुख्यमंत्री शासकीय अस्पताल रूपांतरण कोष के माध्यम से करीब 4 करोड़ 49 लाख 99 हजार रुपये की लागत से यह मशीन स्थापित की गई है, इस सुविधा के शुरू होने से सूरजपुर जिले की लगभग 9 लाख 11 हजार आबादी के साथ-साथ पड़ोसी जिलों के मरीजों को भी लाभ मिलेगा।

अब गंभीर बीमारियों की जांच जिले में ही संभव- सीटी स्कैन मशीन शुरू होने से सड़क दुर्घटना में हेड इंजरी,ब्रेन हेमरेज, कैंसर, ट्यूमर,

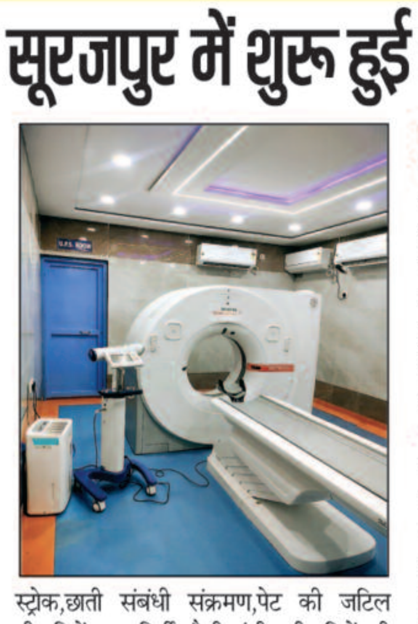

स्ट्रोक,छाती संबंधी संक्रमण,पेट की जटिल बीमारियों तथा मिर्गी जैसी गंभीर बीमारियों की जांच अब जिला अस्पताल में ही संभव हो सकेगी,पहले इन जांचों के लिए मरीजों को अंबिकापुर या निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता था। इससे मरीजों और उनके परिजनों को आर्थिक बोझ के साथ समय की भी भारी परेशानी उठानी पड़ती थी।

मरीजों को मिलेगा सस्ती और त्वरित जांच का लाभ- नई सुविधा शुरू होने के बाद अब मरीजों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिला अस्पताल में निजी केंद्रों की तुलना में कम दर पर सीटी स्कैन जांच उपलब्ध होगी। अस्पताल प्रबंधन द्वारा रेडियोलॉजिस्ट और प्रशिक्षित टेक्नीशियन सहित 24म7 टीम की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि मरीजों को लगातार सेवाएं मिल सकें।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा मजबूती- स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार सीटी स्कैन सुविधा शुरू होने से मरीजों को समय पर जांच और उपचार मिल सकेगा, इससे गंभीर मरीजों को तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी तथा जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक मजबूत होंगी, जिले के लोगों ने इस सुविधा को बड़ी राहत बताते हुए उम्मीद जताई है कि अब गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बड़े शहरों की दौड़ कम होगी और मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

एमएस सिंहदेव अंडर-16 पिंक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले

-संवाददाता-

अंबिकापुर,22 मई 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित एम एस सिंह देव अंडर-16 पिंक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 गांधी स्टेडियम ग्राउंड पर जोरों पर है। टूर्नामेंट का औपचारिक उद्घाटन पिछले दिन मुख्य अतिथि हरी शंकर त्रिपाठी के द्वारा किया गया,जिसके बाद रोशनी और पिंक बॉल के साथ युवा खिलाड़ियों ने फिर एक बार जोशीला मैदान दिखाया।

उद्घाटन समारोह में संघ के अध्यक्ष आदि बाबा ने युवा खिलाड़ियों पर जोर देकर कहा कि खेल के साथ-साथ शिक्षा और अनुशासन भी मजबूत होने चाहिए। सरगुजा जिला क्रिकेट संघ के

सचिव विनीत जायसवाल ने बताया कि यह भारत का पहला अंडर-16 पिंक बॉल टूर्नामेंट है, जो रात के समय,फ्लडलाइट और पिंक बॉल के साथ खेला जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों को फ्लडलाइट और हाई-प्रेशर मैचों का अनुभव मिल रहा है। दूसरे दिन खेले गए पहले मैच में सरगुजा लायंस और सरगुजा टाइगर्स के बीच टकराव हुआ। लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 61 रन पर अपनी पारी समाप्त की। टाइगर्स की ओर से सोएब ने 4 विकेट लेकर दब दिखाया। जवाब में टाइगर्स ने 65 रन पर 6 विकेट खोकर जीत हासिल की। टीम के बल्लेबाज़ अक्षत सिंह ने 16 रन की ऊपरी पारी खेली,जबकि सोएब को घातक गेंदबाजी के लिए उन्हें ÷मैन ऑफ़ द मैच चुना गया।

दूसरे मैच में सरगुजा रॉयल और विनायकम क्रिकेट अकेडमी बी के बीच मुकाबला हुआ। सरगुजा रॉयल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131 रन पर अपनी पारी समाप्त की। रॉयल के बल्लेबाज़ गगन बोस ने 65 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ़ द मैच सम्मानित किया गया। विनायकम क्रिकेट अकेडमी बी की पारी 83 रन पर सिमट गई। रॉयल की ओर से दिव्यांश प्रताप सिंह ने 4 विकेट लेकर विरोधी टीम को दबाव में ला दिया। आयोजकों ने बताया कि यह टूर्नामेंट न केवल युवा प्रतिभा को सामने लाएगा,बल्कि पिंक बॉल और फ्लडलाइट क्रिकेट के माध्यम से खिलाड़ियों की टी20 और भविष्य की उच्च?-स्तरीय तैयारी को भी मजबूत करेगा।

राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश की फिल्म रफ़्तार पोस्टपोन

अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री कीर्ति सुरेश की आने वाली फिल्म 'रफ़्तार' की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। मेकर्स ने आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि यह फिल्म अब पहले तय तारीख 24 जुलाई 2026 के बजाय अक्टूबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के पोस्टपोन होने की घोषणा के साथ ही मेकर्स ने एक भावनात्मक नोट भी साझा किया है, जिसमें कहा गया है कि यह प्रोजेक्ट केवल एक फिल्म नहीं बल्कि विश्वास, हिम्मत और अनगिनत सपनों की मेहनत का परिणाम है। टीम का कहना है कि फिल्म को बेहतर रूप देने और दर्शकों को एक यादगार अनुभव देने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत है।

मेकर्स ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि 'रफ़्तार' को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए रिलीज को आगे बढ़ाना एक सोच-समझकर लिया गया फैसला है। उनके अनुसार, फिल्म का

हर पहलू—कहानी, प्रस्तुति और तकनीकी स्तर—पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस बीच अभिनेता राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टेटमेंट साझा किया, जिसमें उन्होंने फिल्म के सफर को बेहद निजी और खास बताया। उन्होंने लिखा कि एक सपना बनाने में समय लगता है, लेकिन उसे साकार करने में उससे भी अधिक मेहनत और धैर्य की आवश्यकता होती है। राजकुमार ने आगे कहा कि 'रफ़्तार' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि यह थिएटर की दुनिया में उनका पहला कदम है, जिसमें कई लोगों की मेहनत और भावनाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई प्रोजेक्ट इतना व्यक्तिगत और खास हो जाता है, तो उसे परफेक्ट बनाने के लिए समय देना जरूरी होता है। फिल्म से जुड़े लोगों का मानना है कि यह फैसला दर्शकों के लिए बेहतर सिनेमाई अनुभव सुनिश्चित करेगा। हालांकि, रिलीज डेट आगे बढ़ने से फैंस को थोड़ा इंतजार और करना पड़ेगा, लेकिन सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर उत्साह अभी भी बना हुआ है। फिलहाल मेकर्स ने नई रिलीज डेट अक्टूबर में तय की है, जिसकी सटीक तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी।

राज बब्बर के प्यार में दीवानी थीं रेखा

नंगे पांव किया था पीछा? अफेयर की अफवाहों पर आर्य का रिएक्शन

एक्टर आर्य बब्बर ने अपने पिता राज बब्बर और एक्ट्रेस रेखा के बीच अफेयर की अफवाहों पर रिएक्शन दिया है। फिल्मी गलियारों में रेखा और राज बब्बर के अफेयर की खबरें काफी सुर्खियों में रहीं। ऐसा भी कहा जाता है कि रेखा, राज के प्यार में इस कदर दीवानी थीं कि वह एक्टर के पीछे-पीछे नंगे पांव दौड़ गई थीं। दरअसल, 80 के दशक में स्मिता पाटिल के निधन के बाद राज बब्बर का सहारा रेखा बनी थीं। दोनों के बीच कुछ समय तक रिश्ता भी था। ऐसी भी अफवाहें हैं कि एक बार रेखा, राज के पीछे दौड़ रही थीं। अब इन अफवाहों पर राज के बेटे आर्य बब्बर ने रिएक्शन दिया है।

राज के पीछे दौड़ी थीं रेखा

विक्की लालवानी के साथ बातचीत में जब आर्य बब्बर से राज और रेखा के लिंक-अप की अफवाहों के बारे में पूछा गया। साथ ही यह भी पूछा गया कि एक रोज रेखा को राज के पीछे-पीछे दौड़ते हुए देखा गया था। आर्य ने मजाकिया अंदाज में इन अफवाहों पर जवाब दिया। उन्होंने कहा-आपका सवाल जो है वो बता रहा है कि पापा और रेखा जी के बीच एक दौड़ हुई थी। इससे क्या साबित होता है? यही कि वे दोनों फिट थे।

रेखा से अट्रैक्टेड थे राज?

जब आर्य से पूछा गया कि राज बब्बर, रेखा से अट्रैक्ट हो गए थे। इस बारे में एक्टर ने कहा, इतनी खूबसूरत महिला हैं। कौन अट्रैक्ट नहीं होगा। क्या आप अट्रैक्टेड फील नहीं करोगे। मैं भी आकर्षित हो जाता। अगर वह आकर्षित हुए तो हुए। वह इंसान हैं। उसमें क्या गलत है?

राज बब्बर और रेखा की फिल्में

80 के दशक में रेखा और राज बब्बर ने साथ में कई फिल्मों में काम किया था। दोनों ने साथ में अगर तुम न होते, संसार और इंसाफ की आवाज जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया था। इन फिल्मों में उनकी जबरदस्त केमिस्ट्री देखी गई थी। इसी बीच उनके अफेयर की अफवाहें भी उड़ी थीं।

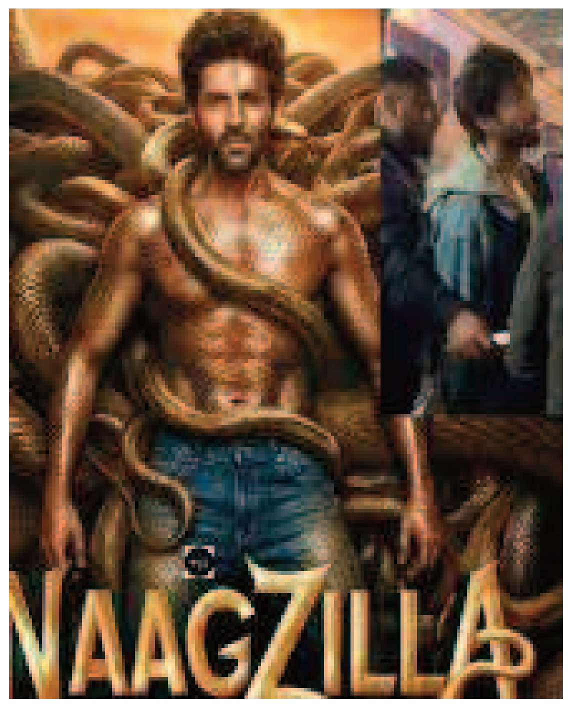

नागजिला को मिल गया खलनायक

नाग लोक के दुश्मन से सामना करने के लिए तैयार कार्तिक आर्यन! कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म नागजिला को खलनायक मिल गया है। इस रोल में कौन खलनायक की भूमिका निभाएगा कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म नागजिला की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है। लेटेस्ट रिपोर्ट्स में पता चल गया है कि फिल्म में खलनायक कौन बनेगा।करण जौहर निर्मित नागजिला की अनाउंसमेंट पिछले साल ही हो गई थी। फिल्म के पोस्टपोन होने की भी खबर आई, लेकिन ऐसा नहीं है। यह फिल्म बड़े पर्दे पर आएगी और कार्तिक शूटिंग भी कर रहे हैं। फिल्म में खलनायक की भी एंट्री हो गई है।

कौन बनेगा नागजिला का खलनायक?

फिल्म में इच्छाधारी नाग बनकर कार्तिक आर्यन नाग लोक के दुश्मन से आमना-सामना करेंगे। हालांकि, सवाल यह है कि आखिर खलनायक है कौन। रिपोर्ट्स की मानें तो नागजिला में जो खलनायक की भूमिका निभा रहा है, वो कोई और नहीं बल्कि खुद कार्तिक आर्यन ही हैं।

नागजिला में कार्तिक के दो किरदार

ईटाइम्स के मुताबिक, कार्तिक आर्यन नागजिला में डबल रोल निभा रहे हैं। दोनों किरदार के लुक्स और पर्सनैलिटी अलग है। ऐसे में अलग-अलग कैरेक्टर के लिए एक्टर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वह दोनों किरदारों को शिद्दत के साथ पर्दे पर उतारने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसा पहली बार होगा जब कार्तिक डबल रोल में दिखाई देंगे।

क्या है नागजिला की कहानी?

नाग लोक की रहस्यमयी दुनिया और आज के आधुनिक समाज के बीच बुनी गई नागजिला- नाग लोक का पहला कांड की कहानी एक इच्छाधारी नाग के सफर को दिखाती है जो अपनी शख्सियत के दो बिल्कुल अलग-अलग पहलुओं को संभालते हुए आज के जमाने के खतरों का सामना करता है।

कब रिलीज होगी नागजिला?

पिछले साल नागजिला की अनाउंसमेंट की गई थी और बताया गया था कि फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, अब फिल्म की रिलीज डेट बदल गई है। यह फिल्म अब 12 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मूवी का निर्देशन मृगदीप सिंह लांबा कर रहे हैं।

कान्स 2026 में डायना पेंटी का सॉफ्ट-ग्लैम लुक

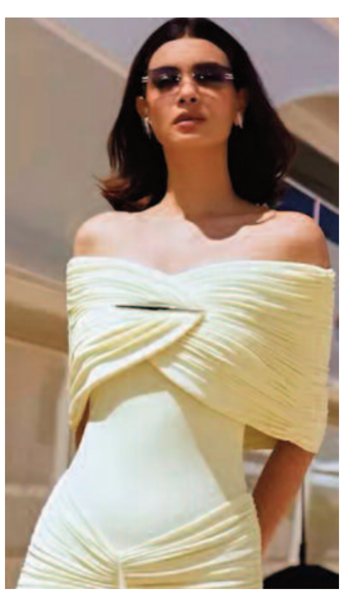

फ्रांस में चल रहे कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में बॉलीवुड एक्ट्रेस डायना पेंटी ने अपने सादगी भरे लेकिन आकर्षक अंदाज़ से सबका ध्यान खींच लिया है। फ्रेंच रिवेरा के खूबसूरत और ड्रीमी बैकग्राउंड में उनका नया लुक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बार डायना पेंटी ने अपने सॉफ्ट-ग्लैम एरा को पूरी तरह अपनाते हुए एक हल्के बटर-येलो आउटफिट में कैमरों के सामने पोज़ दिया। उनकी यह ड्रेस यूरोपियन समर एलिगेंस को दर्शाती है, जिसमें सादगी के साथ-साथ एक खास तरह की नज़ाकत और क्लास देखने को मिली। कान्स फिल्म फेस्टिवल में आमतौर पर बड़े और ड्रामैटिक कॉउचर लुक्स देखने को मिलते हैं, जहां सेलिब्रिटी अपने आउटफिट्स के जरिए फैशन स्टेटमेंट देने की कोशिश करते हैं। लेकिन डायना पेंटी ने इस बार ट्रेंड से हटकर एक मिनिमल और अंडरस्टेटेड लुक चुना, जिसने भीड़ में अलग पहचान बनाई। उनका यह लुक सूरज की रोशनी में चमकते हुए बेहद नैचुरल और फ्रेश महसूस हुआ। फोटोग्राफर्स के सामने उनकी सहज मुस्कान और कॉन्फिडेंट पोज़ ने इस पूरे लुक को और भी प्रभावशाली बना दिया। फैशन विशेषज्ञों का मानना है कि डायना का यह स्टाइल इस बात का उदाहरण है कि ग्लैमर सिर्फ भारी-भरकम डिजाइन या ओवरड्रामेटिक आउटफिट्स से ही नहीं आता, बल्कि सादगी में भी उतनी ही खूबसूरती और आकर्षण हो सकता है। सोशल मीडिया पर भी उनके इस लुक को लेकर काफी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई यूज़र्स ने उनके स्टाइल को ÷क्लासी÷, ÷एलीगेंट÷ और ÷रिफ्रेशिंग÷ बताया है। कान्स फिल्म फेस्टिवल में जहां हर साल फैशन का अलग-अलग रूप देखने को मिलता है, वहीं इस बार डायना पेंटी का यह सॉफ्ट-ग्लैम अवतार एक अलग ही संदेश दे रहा है—कम में भी ज्यादा प्रभाव छोड़ा जा सकता है। फिलहाल डायना पेंटी के इस लुक की तस्वीरें विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उन्हें फैशन सेगमेंट में खूब सराहा जा रहा है।

प्रशांत नील ने प्रभास स्टारर 'सालार 2' के नए अपडेट के साथ फैंस को किया टीज़

प्रशांत नील हाल ही में रिलीज़ हुई अपनी ड्रैगन की झलक की सफलता का मज़ा ले रहे हैं, जिसमें जूनियर एनटीआर हैं। झलक को 100 मिलियन डिजिटल व्यूज़ मिलने वाले हैं। फैंस का रिस्पॉन्स देखकर, प्रशांत नील ने ड्रैगन के बारे में खुलकर बात की और प्रभास स्टारर सालार के सीक्वल पर एक नया अपडेट शेयर करके फैंस को टीज़ भी किया। क्या प्रभास स्टारर सालार 2 पर काम चल रहा है? वैराइटी के साथ एक इंटरव्यू में, प्रशांत से फ्रेंचाइजी पर बात करने के लिए कहा गया। उन्होंने बताया कि ड्रैगन के ठीक बाद, वह प्रभास स्टारर सालार 2 का प्री-प्रोडक्शन शुरू करेंगे। उनके हवाले से कहा गया, ÷यह ड्रैगन फिल्म के पूरा होने के तुरंत बाद होगा। केजीएफ 3 के बारे में पूछे जाने पर, डायरेक्टर ने कहा कि इसे शुरू होने में समय लगेगा क्योंकि वह और यश दोनों अभी अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में बिज़ी हैं।

ट्विशा शर्मा केस के बीच रिद्धि डोगरा का समानता पर सशक्त संदेश

ट्विशा शर्मा की दुखद मौत के बाद, मशहूर एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा ने सोशल मीडिया पर एक दमदार पोस्ट शेयर किया है,जिसमें उन्होंने आज के युवाओं से शादी को ज़रूरत से ज़्यादा आदर्श बनाने से बचने की अपील की है। नोएडा की रहने वाली ट्विशा ने दिसंबर 2025 में भोपाल के समर्थ सिंह से शादी की थी। 12 मई को उनका निधन हो गया। उनके परिवार ने तब से उनके ससुराल वालों पर गंभीर मानसिक प्रताड़ना और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने उनके पति और सास - रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह - के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। इस दिल दहला देने वाली खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए, रिद्धि डोगरा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने युवा लड़के-लड़कियों को एक ज़रूरी सच्चाई से रूबरू कराया कि कैसे आज के रिश्ते,आज़ादी और सामाजिक नियम उनके माता-पिता की पीढ़ी के मुकाबले पूरी तरह से बदल चुके हैं। इंस्टाग्राम पर एक बहुत ही सोच-समझकर लिखे गए पोस्ट में, रिद्धि ने इस बात पर ज़ोर दिया कि 2026 में शादी का मतलब अब सिर्फ़ गुज़ारा करना या आँख मूँदकर बात मानना नहीं रह गया है,बल्कि अब शादी आपसी समझ पर आधारित होनी चाहिए। युवा लड़कों को संबोधित करते हुए,उन्होंने इस बात पर रोशनी डाली कि कानूनी और आर्थिक रूप से सशक्त होने का मतलब है कि अब औरतें किसी के भी आदेशों का आँख मूँदकर पालन नहीं करेंगी। युवा लड़कियों! और युवा लड़कों! यह 2026 है। प्लीज़,शादी को ज़रूरत से ज़्यादा आदर्श बनाना बंद करो। तुम्हारे माता-पिता का ज़माना और जिस दुनिया में वे पले-बढ़े, वह अब बीत चुकी है। शादी अब वैसी नहीं रही। लड़कों को यह बात समझ लेनी चाहिए कि लड़कियां अब तुम्हारी हर बात आँख मूँदकर नहीं मानेंगी। क्योंकि कानून वगैरह ने उन्हें सशक्त बना दिया है। आज के ज़माने में, वे नौकरी कर सकती हैं, रहने के लिए जगह ढूंढ सकती हैं, पैसे कमा सकती हैं और समाज में शांति से अपनी ज़िंदगी जी सकती हैं। इसलिए, उन्हें अब भेड़ों की तरह तुम्हारे पीछे-पीछे चलने या तुम्हारे आदेशों का पालन करने की कोई ज़रूरत नहीं है। लड़कियों को अब गुज़ारा करने के लिए शादी की ज़रूरत नहीं है। हाँ,साथ निभाने के लिए शादी की ज़रूरत हो सकती है, लेकिन किसी पर निर्भर रहने के लिए बिल्कुल नहीं।

खेल समाचार

ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2026 की मेज़बानी करेगा पेरिस

रियाद,22 मई 2026। ईस्पोर्ट्स फाउंडेशन ने घोषणा की है कि ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2026 संस्करण, जो दुनिया का सबसे बड़ा ईस्पोर्ट्स और गेमिंग इवेंट है, 6 जुलाई से 23 अगस्त तक पेरिस, फ्रांस में आयोजित किया जाएगा। रियाद के बाहर पेरिस ईडब्ल्यूसी की मेजबानी करने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय शहर बन गया है, जिससे ईस्पोर्ट्स फाउंडेशन की लंबे समय से चली आ रही वैश्विक रोटेशन की महत्वाकांक्षा को गति मिली है। इस गर्मी में 100 से ज़्यादा देशों के 2,000 खिलाड़ियों,200 क्लबों और लाखों प्रशंसकों को एक साथ लाते हुए, दुनिया का सबसे बड़ा ईस्पोर्ट्स इवेंट एक ऐसे शहर में आ रहा है जो अंतरराष्ट्रीय खेलों का केंद्र है। ईस्पोर्ट्स फाउंडेशन का मार्गदर्शन एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण द्वारा किया जाता है, जिसका उद्देश्य समय के साथ दुनिया भर के दर्शकों,भागीदारों और मेजबान बाजारों के साथ सहयोग के माध्यम से अपने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट और प्रतियोगिताओं को बढ़ाना है। एक लंबी मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद,और मौजूदा क्षेत्रीय स्थिति को देखते हुए,ईस्पोर्ट्स फाउंडेशन ने 2026 संस्करण के लिए उस अंतरराष्ट्रीय रोटेशन की महत्वाकांक्षा को तेज करने का फैसला किया। इससे दुनिया भर के खिलाड़ियों, क्लबों, प्रकाशकों,भागीदारों और प्रशंसकों के लिए स्पष्टता और स्थिरता मिलेगी,साथ ही टूर्नामेंट का पैमाना,संरचना और प्रतिस्पर्धी अखंडता भी बनी रहेगी।

41 साल की उम्र में चैंपियन बने रोनाल्डो

41 साल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने शानदार करियर में एक और ट्रॉफी जीत ली है...

नई दिल्ली,22 मई 2026। आंखों से टपकते आंसू, चेहरे पर सुकून और जीत की खुशी। गुरुवार को अल नासर के सऊदी प्रो लीग का खिताब जीतने के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो का अलग ही अवतार मैदान पर देखने को मिला। रोनाल्डो ने दो गोल दागे, मैदान से बाहर जाते हुए भावुक हुए और फिर अनोखे अंदाज में जीत का जश्न भी मनाया। 41 साल की उम्र में चैंपियन बने रोनाल्डो को देखकर ऐसा लगा कि मानो किसी युवा खिलाड़ी ने अपने करियर में पहली बार ट्रॉफी जीती हो।

2023 में अल नासर से जुड़े थे रोनाल्डो

जनवरी 2023 में अल नासर क्लब से जुड़े रोनाल्डो ने पहली बार टीम को चैंपियन बनाया। दमैक के खिलाफ अल नासर ने 4-1 से जीत दर्ज करते हुए सऊदी प्रो लीग का खिताब अपने नाम किया। टीम के इस खिताबी सफर में रोनाल्डो का रोल काफी अहम रहा। दमैक के खिलाफ भी पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी ने फ्री किक पर एक गोल किया, जबकि दूसरा गोल गोलकीपर को छकाते हुए दागा। इस लीग में रोनाल्डो ने कुल 28 गोल किए।

भावुक हो गए थे क्रिस्टियानो रोनाल्डो

मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले रोनाल्डो जब मैदान से बाहर जाने लगे, तो तमाम फैंस ने अपनी सीटों पर खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाईं। यह पल रोनाल्डो को भावुक कर गया, और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। डगआउट में पहुंचने के बाद भी रोनाल्डो अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर सके और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो में फूट-फूटकर रोते हुए दिखाई दिए। हालांकि, ये आंसू खुशी के थे, क्योंकि इस ट्रॉफी को पाने के लिए रोनाल्डो ने अल नासर की ओर से खेलते हुए तीन साल से ज्यादा समय का इंतजार किया।

ड्रम बजाते हुए नजर आए रोनाल्डो

मैच के बाद दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो ट्रॉफी लेने के लिए पहुंचे, तो उन्होंने अपने सिर पर एक कपड़ा बांध रखा था। ट्रॉफी लेने के बाद वह टीम के साथ स्टेज पर जश्न मनाते हुए भी दिखाई दिए। इसके बाद मैदान पर रोनाल्डो फैंस की तरफ भी पहुंचे। उन्होंने स्टैंड्स से एक ड्रम लिया और उसको गोल पोस्ट के पास जाकर बजाते हुए नजर आए। रोनाल्डो को शायद ही इससे पहले कभी इस तरह से जश्न मनाते हुए देखा गया होगा। क्लब को खिताब दिलाने की खुशी उनके चेहरे पर साफतौर पर झलक रही थी। यह खिताब फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले रोनाल्डो का आत्मविश्वास बढ़ाने का काम करेगा। अपना छठा और शायद आखिरी विश्व कप खेलने जा रहे रोनाल्डो से पुर्तगाल के फैंस को भी दमदार प्रदर्शन की आस होगी। खुद रोनाल्डो इस वर्ल्ड कप को अपने शानदार खेल के बूते यादगार बनाने का हरसंभव प्रयास जरूर करेंगे।

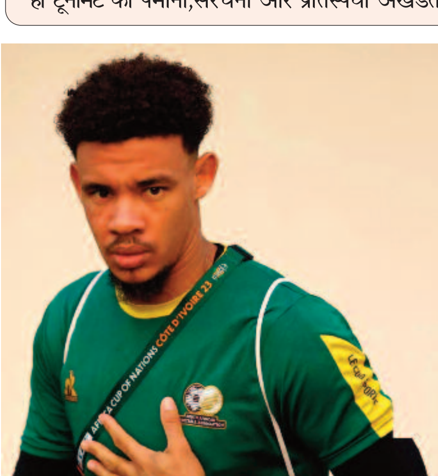

दक्षिण अफ्रीका ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए संभावित टीम की घोषणा की

केप टाउन,22 मई 2026। दक्षिण अफ्रीका के कोच ह्यूगो ब्रूस ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए 32 सदस्यों की एक संभावित टीम की घोषणा की है। गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तानी करेंगे। टीम का लक्ष्य 2010 के बाद पहली बार विश्व कप के फाइनल में जगह बनाना है; 2010 में उन्होंने मेज़बान के तौर पर आखिरी बार हिस्सा लिया था। ह्यूगो ब्रूस की टीम में मुख्य खिलाड़ियों में कप्तान और गोलकीपर विलियम्स, मिडफील्डर टेबोहो मोकोएना और स्ट्राइकर लायल फोस्टर शामिल हैं। फीफा की वेबसाइट के अनुसार, विलियम्स और मोकोएना उन नौ खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें मैमेलॉडी सुंदरडाउंस से चुना गया है,जबकि ऑरलैंडो पाइरेट्स से भी नौ खिलाड़ी टीम में हैं, जिनमें फॉरवर्ड ओस्विन अपोलिस भी शामिल हैं। 32 सदस्यों की इस संभावित टीम को बाद में घटाकर 26 खिलाड़ियों का कर दिया जाएगा,जिन्हें विश्व कप के लिए अंतिम रूप से चुना जाएगा। दक्षिण अफ्रीका फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत सह-मेज़बान मेक्सिको के खिलाफ मेक्सिको सिटी स्टेडियम में करेगा। इसके बाद वे अटलांटा जाकर चेक गणराज्य का सामना करेंगे, और फिर मॉन्टेरे में दक्षिण कोरिया के खिलाफ ग्रूप ए के अपने मुकाबले खेलकर अपने अभियान का समापन करेंगे।

पेप गार्डियोला एक शानदार और ट्रॉफियों से भरे दशक के बाद हटेंगे मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पद से

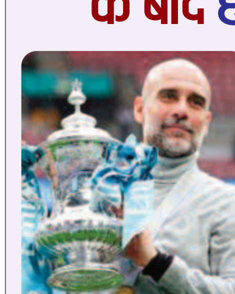

मैनचेस्टर,22 मई 2026। पेप गार्डियोला मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर के तौर पर अपना पद छोड़ देंगे, जिसके साथ ही यूरोपीय फुटबॉल के इतिहास में किसी मैनेजर के सबसे शानदार दौर में से एक का अंत हो जाएगा। मैन सिटी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है - जो प्रीमियर लीग में 78 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है,लेकिन एक-एक मैच बाकी रहते हुए खिताब आर्सेनल के हाथों गंवा चुकी है-पेप गार्डियोला इस गर्मी में मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर का पद छोड़ देंगे। कैटलन मूल के गार्डियोला,जो जुलाई 2016 में सिटी से जुड़े थे, ने अपने दस साल के कार्यकाल के दौरान टीम में ज़बरदस्त बदलाव लाए हैं। वह 20 बड़ी ट्रॉफियां जीतकर क्लब से विदा होंगे - जिससे वह हमारे इतिहास के सबसे सफल मैनेजर बन गए हैं।

C M Y K

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बरगद के पेड़ के नीचे लगाई चौपाल,सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

कमरौद में ग्रामीणों से आत्मीय संवाद,योजनाओं की जमीनी स्थिति का लिया फीडबैक...

रायपुर,22 मई 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा स्थित ग्राम कमरौद पहुंचकर विशाल बरगद के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। बरगद के पेड़ की छांव में आयोजित चौपाल में मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि सरकार गांव-गांव पहुंचकर यह सुनिश्चित कर रही है कि लोगों को राशन,बिजली,प्रधानमंत्री आवास,महतारी वंदन योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ सही तरीके से मिल रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाकर समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे अब तक प्रदेश के 16 जिलों का दौरा कर लोगों से सीधे संवाद कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने महिलाओं से महतारी वंदन योजना की जानकारी ली, जिस पर महिलाओं ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से राशि मिल रही है। ग्राम की श्रीमती देव कुमारी साहू ने बताया कि वह योजना से मिलने वाली राशि अपनी बेटी के भविष्य के लिए बचा रही हैं। चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री ने पांचवीं कक्षा के छात्र पूर्वांश साहू से मुस्कुराते हुए पूछा...'सेल्फी लेंगे क्या?' जिसके बाद छात्र ने उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी ली। मुख्यमंत्री ने बिजली बिल समाधान योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना तथा पंचायत स्तर पर संचालित अटल डिजिटल सेवा केंद्रों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं और अतिरिक्त 10 लाख आवासों का निर्माण भी प्रारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर नागरिक सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए अब तक लगभग 6000 अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार शीघ्र ही ऑनलाइन शिकायत समाधान व्यवस्था शुरू करने जा रही है, जिसके माध्यम से नागरिक घर बैठे मोबाइल फोन से अपनी समस्याएं दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए टोल फ्री नंबर भी प्रारंभ किया जाएगा। किसानों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने नैनो यूरिया के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिरपुर बैराज तथा सिकासेर से कोडार परियोजना महासमुंद जिले के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उल्लेखनीय है कि जिले में सिंचाई क्षमता विस्तार के लिए सिकासेर बांध (गरियाबंद) से शहीद वीर नारायण सिंह जलाशय कोडार तक पानी पहुंचाने की लगभग 3200 करोड़ रुपये की परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सरकार गांव-गांव पहुंचकर जनता की बात सुन रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार पारदर्शी और जनहित में कार्य करने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना और अन्य योजनाओं से प्रदेश के गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। बस्तर जैसे क्षेत्रों में जहां पहले हिंसा का माहौल था,वहां अब खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित हो रही हैं चौपाल के दौरान ग्राम की श्रीमती लता साहिस ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास,महतारी वंदन योजना तथा गैस सिलेंडर का लाभ मिला है। वहीं श्रीमती मधु साहू ने मछली पालन से जुड़ाव और गर्मी के दौरान पानी की समस्या बताई,जिस पर मुख्यमंत्री ने सोलर आधारित बोर सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

दिव्यांग हितग्राहियों के चेहरे पर खिली मुस्कान

चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीन दिव्यांग हितग्राहियों को सहायक उपकरण प्रदान किए। भारती मारकण्डेय को व्हीलचेयर तथा रवि कुमार पटेल और यादराम साहू को ट्रायसिकल प्रदान की गई। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनके दैनिक जीवन और आवागमन में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के जीवन को सहज,सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा अधिकारियों को जरूरतमंद हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से पहुंचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मातृशक्ति के लिए सर्वसुविधायुक्त भवन निर्माण की घोषणा की,जहां सामाजिक, सांस्कृतिक एवं स्व-सहायता समूहों की गतिविधियां संचालित की जा सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कमरौद से चरोदा तक लगभग चार किलोमीटर सड़क निर्माण तथा ग्राम में मुक्ति धाम निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं से ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया और ग्रामीणों ने उनका आभार व्यक्त किया।

सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलौदाबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित समाधान शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य सरकार को गांव-गांव तक पहुंचाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करना और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री साय ने भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में समाधान शिविर में पहुंचे ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार यह जानने के लिए गांवों तक पहुंच रही है कि लोगों को पानी,बिजली,सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाएं समय पर मिल रही हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि रायपुर में बैठकर ग्रामीणों की समस्याओं को पूरी तरह समझा नहीं जा सकता,इसलिए पूरी सरकार गांवों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक अनेक स्थानों पर शिविर संपन्न हो चुके हैं तथा आगामी दिनों में भी शिविरों का आयोजन जारी रहेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को प्राथमिकता के साथ पूरा किया है। किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी और दो वर्षों का बकाया बोनस भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं के खातों में 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस योजना से महिलाएं बच्चों की पढ़ाई,घरेलू जरूरतों और छोटे व्यवसायों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने'लखपति दीदी'अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में महिलाएं स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं और आगे करोड़पति दीदी बनने की दिशा में बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार कर रही है। प्रदेश की 6000 से अधिक पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं,जहां लोगों को प्रमाण पत्र, राजस्व रिकॉर्ड,बैंकिंग और अन्य सेवाएं गांव में ही उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि अब रजिस्ट्री के साथ तत्काल नामांतरण की सुविधा भी दी जा रही है।

एक ही परिवार के 4 लोगों की संदिग्ध मौत,बेड पर बच्चे के और फंदे पर लटके मिले पति-पत्नी के शव...

दुर्ग,22 मई 2026। क्षेत्र के आर्य नगर में शुक्रवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई,जब एक ही परिवार के चार सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो मासूम बच्चे शामिल हैं। चारों के शव उनके ही मकान में मिले हैं। मिली जानकारी के अनुसार घर के मुखिया गोविंद साहू (45 वर्ष) और उनकी पत्नी चंचल साहू (40 वर्ष) के शव अलग-अलग फांसी के फंदों पर लटके मिले। वहीं उनकी बेटी दृष्णा साहू (13 वर्ष) और बेटा यशांत साहू (11 वर्ष) बिस्तर पर मृत अवस्था में पाए गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है,जिसमें पारिवारिक विवाद का उल्लेख किया गया है। फिलहाल पुलिस नोट की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में आर्थिक तंगी और पारिवारिक तनाव को घटना की बड़ी वजह माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह काफी देर तक घर से कोई हलचल नहीं होने पर पास में रहने वाली गोविंद साहू की मां ने दरवाजा खटखटाया। दरवाजा हल्का धक्का देने पर खुल गया। अंदर का दृश्य देखकर वह चीखते हुए बाहर निकलीं। इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। सूत्रों के अनुसार,दोनों बच्चों के गले में दबाव के निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि बच्चों को पहले नींद की दवा दी गई और बाद में उनकी हत्या कर दी गई। इसके बाद दंपति ने आत्महत्या कर ली। हालांकि पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा होने की बात कह रही है।

प्रेम प्रसंग के चलते जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश,महिला की मौत

रायपुर,22 मई 2026। राजधानी रायपुर के अभनपुर थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है,जहां एक महिला और पुरुष ने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस घटना में 38 वर्षीय महिला की मौत हो गई,जबकि पुरुष की हालत स्थिर बताई जा रही है और वह खतरे से बाहर है। जानकारी के अनुसार,दोनों के बीच प्रेम संबंध थे और यह मामला लंबे समय से चल रहा था। बताया जा रहा है कि दोनों पहले से शादीशुदा थे। लेकिन आपसी रिश्ते के चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई। घटना के पीछे परिजनों को इस रिश्ते की जानकारी मिलने को एक बड़ा कारण माना जा रहा है। जैसे ही परिवार को दोनों के संबंध के बारे में पता चला,उसके बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनी और दोनों ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। स्थानीय लोगों और परिजनों की सूचना पर दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। पुरुष का इलाज जारी है और उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है और लोग इस घटना को लेकर अलग-अलग बातें कर रहे हैं। वहीं पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और घटनाक्रम की विस्तृत पड़ताल की जा रही है। अभनपुर थाना पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है, जिसमें पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव जैसे कारणों की भी समीक्षा की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

हिस्ट्रीशीटर-गांजा तस्कर रवि की 7.66 करोड़ की संपत्ति सीज

रायपुर में पत्नी-मां-बेटे के नाम खरीदी 16 प्रॉपर्टी,आरोपी पर कुल 55 केस...

रायपुर,22 मई 2026। रायपुर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर और गांजा तस्कर रवि साहू की 7 करोड़ 66 लाख की चल-अचल संपत्तियां सीज कर दी है। आरोपी ने पत्नी, मां और बेटे के नाम 16 प्रॉपर्टी खरीदी थी, जिसमें कृषि भूमि,मकान,प्लॉट,भवन और कमर्शियल वाहन शामिल हैं। सक्षम अधिकारी मुंबई ने संपत्तियों को फ्रीज करने के आदेश को कन्फर्म कर दिया है। यह कार्रवाई SAFEMA और NDPS एक्ट के तहत की गई है। वहीं रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में NDPS एक्ट के तहत यह पहली बड़ी वित्तीय कार्रवाई मानी जा रही है। पुलिस के मुताबिक रवि साहू गांधीनगर कालीबाड़ी इलाके का रहने वाला है। 17 किलो 882 ग्राम गांजा तस्करी मामले में विशेष NDPS कोर्ट उसे पहले ही 10 साल के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुना चुकी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार रवि साहू के खिलाफ प्रदेश के अलग-अलग थानों में कुल 55 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से रायपुर समेत कई जिलों में गांजा तस्करी का नेटवर्क चला रहा था।

पत्नी,मां और बेटे के नाम पर खरीदी प्रॉपर्टी

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी रवि साहू ने अवैध कमाई से अपनी पत्नी शशि साहू, मां और बेटे के नाम पर करोड़ों की संपत्तियां खरीदी थीं। इनमें रायपुर और अभनपुर क्षेत्र की कृषि भूमि, मकान,प्लॉट, भवन और कमर्शियल वाहन शामिल हैं। वित्तीय जांच में इन संपत्तियों का मूल्य आरोपी की वैध आय से कहीं ज्यादा पाया गया। इसके बाद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68F के तहत संपत्तियों को फ्रीज करने का प्रस्ताव SAFEMA कोर्ट मुंबई भेजा था। ऑनलाइन सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष संपत्तियों के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने कुल 16 संपत्तियों को सीज किया है। अब सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना इन संपत्तियों की खरीद-बिक्री या ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा। डीसीपी सेंट्रल उमेश गुप्ता ने कहा कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। SAFEMA कोर्ट ऐसी कानूनी व्यवस्था है जहां तस्करी, हवाला या विदेशी मुद्रा घोटाले जैसे मामलों में कमाई गई अवैध संपत्ति की जांच और सुनवाई होती है। अगर सरकार को लगता है कि किसी व्यक्ति ने गलत तरीके से पैसा कमाकर संपत्ति बनाई है,तो उस संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई SAFEMA कानून के तहत की जाती है।

छत्तीसगढ़ की भाजपा नेत्री से दिल्ली में रेप,कारोबारी अरेस्ट

निवेश के नाम पर नजदीकियां बढ़ाई,2.5 करोड़ ठगे,रेप-ब्लैकमेलिंग का केस

बिलासपुर,22 मई 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से भाजपा नेत्री के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। आरोप है कि झारखंड के रांची निवासी कारोबारी संजय सिंह ने दिल्ली में महिला के साथ रेप किया। बताया जा रहा है कि दोनों की मुलाकात पहले दिल्ली में हुई थी,जहां आरोपी ने माइनिंग कारोबार में निवेश का झांसा देकर महिला से नजदीकियां बढ़ाई। पीड़िता की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। शुक्रवार को बिलासपुर पुलिस ने झारखंड के रांची से आरोपी संजय सिंह को अरेस्ट कर लिया है। वहीं संजय के वायरल वीडियो पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या पुलिस खुद उसे वीडियो जारी कर सफाई देने का मौका दे रही है? वीडियो में संजय ने रेप के आरोपों को झूठा बताते हुए दावा किया है कि 21 मई को पुलिस ने उसके घर दबिश देकर खुद केस की जानकारी दी थी। उसने भाजपा नेत्री पर कोलमाइंस के नाम पर 80 लाख रुपए की ठगी का उल्टा आरोप भी लगाया है। जानकारी के मुताबिक भाजपा नेत्री सिविल लाइन क्षेत्र की रहने वाली हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका दिल्ली आना-जाना लगा रहता था। करीब 2 साल पहले उनकी पहचान संजय सिंह से हुई थी। इस दौरान संजय सिंह ने खुद को बड़ा कारोबारी बताते हुए माइनिंग कारोबार में निवेश पर अच्छा मुनाफा होने का भरोसा दिलाया। आरोपी ने व्यापार में साझेदारी और मोटे लाभ का झांसा देकर महिला से निवेश कराया। इसी दौरान दोनों के बीच संपर्क बढ़ता गया। भाजपा नेत्री का आरोप है कि कारोबारी ने भरोसे का फायदा उठाते हुए सितंबर 2025 में नजदीकियां बढ़ाईं और बाद में दिल्ली में दुष्कर्म किया। महिला ने पुलिस को बताया कि वारदात के बाद आरोपी लगातार ब्लैकमेल करता रहा और पैसों की मांग भी करता था। भाजपा नेत्री ने अपनी शिकायत में बताया कि कारोबारी संजय ने उनसे अलग-अलग किश्तों में करीब 2 करोड़ 50 लाख रुपए लिए।

तेंदुए के हमले में 7 वर्षीय बालक गंभीर,परिजनों ने बचाई जान

गरियाबंद,22 मई 2026। जिला मुख्यालय से लगे ग्रामीण क्षेत्र में एक बार फिर तेंदुए की मौजूदगी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। गुरुवार रात कोदोबतर के चट्टानपारा गांव में एक तेंदुए ने सात वर्षीय बालक पर हमला कर उसे जंगल की ओर ले जाने का प्रयास किया। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और साहस दिखाते हुए उसे तेंदुए के चंगुल से छुड़ा लिया। घटना के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चट्टानपारा निवासी धनेश कुमार पड़ोसी के घर से टीवी देखकर रात में अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक उस पर हमला कर दिया और गर्दन पकड़कर उसे घसीटते हुए जंगल की ओर ले जाने लगा। बच्चे की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद तेंदुए को खदेड़कर बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हमले में बालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पर्यटकों के लिए बड़ी खुशखबरी: नया रायपुर जंगल सफारी में शुरू हुई इलेक्ट्रिक सफारी और बोटिंग

रायपुर,22 मई 2026। छत्तीसगढ़ में पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नया रायपुर स्थित नंदनवन जू एवं जंगल सफारी में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहनों और नई बोटिंग सेवाओं का भव्य शुभारंभ किया गया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज हरी झंडी दिखाकर इन पर्यावरण-हितैषी सुविधाओं को आम जनता के लिए समर्पित किया। यह शुरुआत छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र को वैश्विक मानचित्र पर आधुनिक और ग्रीन टूरिज्म के रूप में स्थापित करेगी। जंगल सफारी में शत-प्रतिशत इको-फ्रेंडली वाहनों के चलने से जहां वन्यजीवों को ध्वनि और वायु प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी,वहीं स्थानीय स्तर पर महिलाओं और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

75 लाख की गांजा बरामद,तस्करों के भागने की कोशिश को महासमुंद पुलिस ने किया नाकाम

गरियाबंद,22 मई 2026। जिले की देवभोग पुलिस ने फिल्मी अंदाज में घेराबंदी कर दो स्विफ्ट कारों से करीब 75 लाख रुपये कीमत का डेढ़ क्विंटल गांजा बरामद किया है। इस मामले में एक नाबालिग समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े जाने के डर से तस्करों ने पुलिसकर्मियों पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की,लेकिन कार दुर्घटना ग्रस्त हो गई और पुलिस ने आरोपियों को धर दबोचा। मिली जानकारी के अनुसार,तस्करों ने ओडिशा से गांजा भरने के बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए अपनी गाड़ियों की मध्य प्रदेश की नंबर प्लेट निकालकर छत्तीसगढ़ की नंबर प्लेट लगा दी थी,लेकिन देवभोग पुलिस को इसकी पुख्ता सूचना पहले ही मिल चुकी थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तत्काल नाकाबंदी की। थाना प्रभारी फैजुल हुदा शाह ने बताया कि नाकाबंदी देखकर आरोपियों को भनक लग गई और उन्होंने भागने की कोशिश की। इस दौरान रोकने का प्रयास कर रहे पुलिसकर्मियों के ऊपर ही तस्करों ने गाड़ी चढ़ाने की कोशिश भी की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा करने के लिए अलग-अलग टीमें बनाईं। पुलिस से बचने के लिए तेज रफ्तार में भाग रही तस्करों की दोनों स्विफ्ट कारें अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गईं, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर पांचों को हिरासत में ले लिया। कारों की तलाशी लेने पर उसमें से डेढ़ क्विंटल गांजा बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 75 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपी मध्य प्रदेश के गांधी नगर और साजनाबाद जिले के रहने वाले हैं। पकड़े गए तस्करों में एक नाबालिग है,जबकि अन्य 4 आरोपियों की उम्र 22 से 26 साल के बीच है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)